आज का सुविचार

उठो जागो और तब तक मत रुको जब तक तुम्हें लक्ष्य की प्राप्ति न हो।
- स्वामी विवेकानंद

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

| आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM |

वर्ष-5 अंक-40 भोपाल, मंगलवार 21 दिसम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

पंचांग

मार्गशीर्ष शुक्ला षष्ठी, मंगलवार 22 विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:56/5:38
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	29 %
वायु (किमी/घ.)	08
तापमान प्रात:/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तोला

₹ 50,070

शेयर सूचकांक

बीएसई	55822.01	-1.189.73
निफ्टी	16614.20	-371.00

एमपी के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा बोले, राहुल गांधी का एजेंडा हिंदुओं को बांटना

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्य प्रदेश के गृहमंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि हिंदुओं को बांटना राहुल गांधी की राजनीति का मुख्य एजेंडा है और वह लगातार इस कोशिश में लगे रहते हैं। इसलिए वह सिर्फ हिंदू और हिंदुत्व ?को लेकर बयान देते हैं। हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करने वाले और हिंदू धर्म पर कटाक्ष करने वालों को दिग्विजय सिंह का बधाई देना स्वाभाविक है। असल में राहुल %बाबा% और %चचा% दिग्विजय सिंह का मूल उद्देश्य ही हिंदू और हिंदू धर्म को अपमानित करना है।

गलती छुपाने के लिए भेज रहे नोटिस

गृहमंत्री मिश्रा ने कहा, पंचायत चुनाव में हार के डर से पहले कांग्रेस और उसके राज्यसभा सांसद सुप्रीम ? कोर्ट गए और अब अपनी गलती छुपाने के लिए नोटिस भेज रहे है। कांग्रेस को कोर्ट जाने की बजाए जनता की अदालत यानी चुनाव में जाना चाहिए था। मंत्री ने कहा कि विकास को सर्वांगीण और सर्वसमावेशी बनाने के लिए आज से 25 दिसंबर तक देश भर में गुड गवर्नेंस सप्ताह मनाया जा रहा है। जनता की समस्याओं ?का निराकरण करना और प्रशासन को जनता के प्रति दायित्वों का बोध कराना कार्यक्रम का मूल उद्देश्य है।

24 घंटे में 20 नए कोरोना मरीज मिले

गृहमंत्री ने बताया कि मध्य प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 20 नए केस आए हैं जबकि 17 लोग ठीक हुए हैं। मध्य प्रदेश में कुल एक्टिव केस ?ों की संख्या 184 हैं। वर्तमान में कोरोना संक्रमण दर 0.4 फीसदी और रिकवरी रेट 98.60 फीसदी है। कल प्रदेश में 56,772 सैंपल लिए गए।

जम्मू-कश्मीर में 7 विस सीटें बढ़ेंगी

परिसीमन आयोग का प्रस्ताव- जम्मू में 6 और कश्मीर में 1 सीट बढ़े; PoK के लिए 24 सीटें रिजर्व

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के लिए बने परिसीमन आयोग ने जम्मू में 6 और कश्मीर घाटी में 1 विधानसभा सीट बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है। इससे जम्मू में 43 और कश्मीर में 47 सीटें हो जाएंगीं। इसमें स्ञ के लिए 9 और स्ष्ट के लिए 7 सीटें रिजर्व रखी जाएंगी। वहीं, PoK के लिए 24 सीटें रिजर्व होंगी। इस तरह से जम्मू-कश्मीर विधानसभा की मौजूदा 83 सीटों को बढ़ाकर 90 करने का प्रस्ताव है। आयोग ने इस पर 31 दिसंबर 2021 तक सुझाव मांगे हैं। बता दें कि जम्मू-कश्मीर में पहली बार अनुसूचित जाति को चुनावी आरक्षण दिया जाएगा। परिसीमन आयोग के सुझाव की PDP अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कड़ी आलोचना की है। उन्होंने ट्वीट करके कहा कि जनगणना की अनदेखी हो रही है। एक इलाके के लिए 6 सीटों और कश्मीर के लिए केवल एक सीट का प्रस्ताव देकर लोगों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करने की कोशिश है। उधर, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद गनी लोन ने ट्वीट करके कहा कि आयोग की सिफारिशें पूरी तरह से अमान्य हैं और ये पूर्वाग्रह से ग्रस्त हैं।

दिल्ली के अशोका होटल में आयोग की बैठक

दिल्ली के अशोका होटल में सोमवार को परिसीमन आयोग की बैठक हुई। इसमें नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला, BJP की केंद्र सरकार के मंत्री जितेंद्र सिंह समेत तमाम लोग शामिल हुए। फारूक के साथ उनकी पार्टी के सांसद हसनैन मसूदी ने भी बैठक में हिस्सा लिया। सभी ने आयोग की अध्यक्ष रंजना प्रकाश देसाई, मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा और जम्मू-कश्मीर के चुनाव आयुक्त केके शर्मा के साथ बैठक में हिस्सा लिया।

1995 के बाद कभी परिसीमन नहीं हुआ

जम्मू और कश्मीर में 1951 में 100 सीटें थीं। इनमें से 25 सीटें पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में थीं। पहला फुल फ्लैज्ड डीलिमिटेशन कमीशन 1981 में बनाया गया, जिसने 14 साल बाद 1995 में अपनी रिकमंडेशन भेजीं। ये 1981 की जनगणना के आधार पर थी। इसके बाद कोई परिसीमन नहीं हुआ।

जम्मू-कश्मीर की विधानसभा का मौजूदा स्ट्रक्चर

जम्मू-कश्मीर रीऑर्गेनाइजेशन एक्ट (छ्यक्र) के तहत नई विधानसभा में 83 की जगह 90 सीटें होंगी। विशेषज्ञों का मानना है कि सीट बढ़ाने के लिए सिर्फ आबादी ही पैरामीटर नहीं है। इसके लिए भूभाग, आबादी, क्षेत्र की प्रकृति और पहुंच को आधार बनाया जाएगा। अनुच्छेद 370 निरस्त होने से पहले राज्य में कुल 87 सीटें थीं। इनमें जम्मू में 37, कश्मीर में 46 और लद्दाख में 4 सीटें आती थीं। ऐसे में यदि 7 सीटें जम्मू के खाते में जाती हैं तो 90 सदस्यीय विधानसभा में जम्मू में 44 और कश्मीर में 46 सीटें हो

जम्मू-कश्मीर के परिसीमन में क्या खास है?

5 अगस्त 2019 तक जम्मू-कश्मीर को स्पेशल स्टेटस हासिल था। वहां केंद्र के अधिकार सीमित थे। जम्मू-कश्मीर में इससे पहले 1963, 1973 और 1995 में परिसीमन हुआ था। राज्य में 1991 में जनगणना नहीं हुई थी। इस वजह से 1996 के चुनावों के लिए 1981 की जनगणना को आधार बनाकर सीटों का निर्धारण हुआ था। जम्मू-कश्मीर में परिसीमन हो रहा है, जबकि पूरे देश में 2031 के बाद ही ऐसा हो सकता है। जम्मू-कश्मीर में परिसीमन के तहत जम्मू-कश्मीर रीऑर्गेनाइजेशन एक्ट के प्रावधानों का भी ध्यान रखना होगा। इसे अगस्त 2019 में संसद ने पारित किया था। इसमें अनुसूचित जनजाति के लिए सीटें बढ़ाने की बात भी कही गई है। JKRA में साफ तौर पर कहा गया है कि केंद्रशासित प्रदेश में परिसीमन 2011 की जनगणना के आधार पर होगा।

तीसरी लहर की आशंका के दौर में मीडिया पुनः करें जनता को जागरूक : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विधानसभा के मानसरोवर सभागार में बिछड़े कई बारी बारी पुस्तक का विमोचन किया। यह पुस्तक क्रूर कोरोना काल में असमय छीन लिये गये प्रदेश के लगभग सौ पत्रकारों के जीवन और उनके पत्रकारिता में योगदान पर आधारित है। मुख्यमंत्री श्री चौहान के मुख्य आतिथ्य में इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा स्पीकर श्री गिरीश गौतम ने की। आयोजन ग्रामीण पत्रकारिता विकास संस्थान ने किया। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष श्री कमलनाथ, संसदीय कार्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र, पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री कांतिलाल भूरिया, प्रदेश के पूर्व मंत्री डॉ. गोविन्द सिंह पुस्तक के लेखक श्री देव श्रीमाली और श्री रविंद्र जैन उपस्थिति थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अपने भावपूर्ण संबोधन में कहा कि कोरोना काल में दिवंगत पत्रकारों पर केंद्रित यह पुस्तक, फिर न लिखनी पड़े, ऐसे प्रयास हों। तीसरे लहर की आशंका के मद्देनजर मीडिया जागरूकता प्रसार की भूमिका का पुन: निर्वाह करे। प्रत्येक व्यक्ति को मास्क लगाने के लिए प्रेरित करना है। यह बचाव का प्रभावी माध्यम है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना संक्रमण की पहली और दूसरी लहर के समय हम गहरी वेदना के दौर से गुजर चुके हैं। अस्पताल में बेड, ऑक्सीजन और जीवन रक्षक औषधियों की व्यवस्था के लिए सभी ने दिन-रात कार्य किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मृत्यु अवश्यंभावी है। लेकिन कोई जाता है तो टीस छोड़कर जाता है। कुछ ऐसे व्यक्तित्व होते हैं, जो सदैव याद आते हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दिवंगत पत्रकारों स्व. श्री शिव अनुराग पटेरिया, श्री राजकुमार केसवानी की सेवाओं का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि श्री केसवानी ने भोपाल गैस त्रासदी के पूर्व सभी को आगह करते हुए लेखन किया। वे अपनी इसरिपोर्ट पर बी.डी. गोयनका अवार्ड मिलने पर प्रसन्न नहीं थे, बल्कि उनका कहना था कि काश यह हादसा न होता, यदि उनके लेख में दी गई चेतावनी को गंभीरता से लिया जाता।

ईडी के सामने ऐश्वर्या राय की पेशी

पनामा पेपर्स मामले में पूर्व विश्व सुंदरी से पूछताछ

नई दिल्ली। दुनियाभर में चर्चित पनामा पेपर्स मामले में बच्चन परिवार की मुश्किलें बढ़ गई हैं। आज बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय दिल्ली के लोकनायक भवन में ईडी के सामने पेश होने पहुंचीं। सूत्रों के मुताबिक ईडी के अधिकारी ऐश्वर्या के लिए सवालों की लिस्ट पहले ही तैयार कर चुके हैं। दरअसल, पनामा पेपर्स मामले में भारत के करीब 500 लोगों के शामिल होने की बात सामने आई थी। इनमें नेता, अभिनेता, खिलाड़ी, बिजनेसमैन हर वर्ग के प्रमुख लोगों के नाम हैं। इन लोगों पर टैक्स की हेराफेरी का आरोप है, जिसको लेकर टैक्स अथॉरिटी जांच में जुटी है।

वोटर आईडी को आधार कार्ड से जोड़ने वाला चुनाव कानून संशोधन बिल लोकसभा में पास

नई दिल्ली। चुनाव कानून संशोधन विधेयक, 2021 सोमवार को लोकसभा में पास हो गया। बिल में वोटर लिस्ट में दोहराव और फर्जी मतदान रोकने के लिए वोटर आईडी और लिस्ट को आधार कार्ड से जोड़ने का प्रावधान है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले हफ्ते बुधवार को चुनाव सुधारों से जुड़े इस विधेयक के मसौदे को मंजूरी दी थी। कानून मंत्री किरण रिजिजू ने बिल को लोकसभा में पेश किया। उन्होंने कहा कि सदस्यों ने इसका विरोध करने को लेकर जो तर्क दिया, वह सुप्रीम कोर्ट के फैसले को गलत तरीके से पेश करने का प्रयास है। यह बिल SC के फैसले के हिसाब से ही है।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय इंदौर के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को उपाधियाँ वितरित की।

राजस्थान : बर्फ से ढंके खेत, पेड़ों पर जमी बूंदें; 20 साल में पहली बार माइनस 5 डिग्री तापमान

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बर्स ढके मैदान, पेड़ आमतौर पर हिमाचल और कश्मीर की पहचान माने जाते हैं, लेकिन इस साल ऐसा नजारा रेगिस्तानों की धरती राजस्थान में दिखाई दे रहा है। राज्य में रिकॉर्डतोड़ सर्दी पड़ रही है। पहाड़ों से आने वाली बर्फीली हवाओं ने राजस्थान को जमा दिया है। पहली बार राजस्थान में पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों तक केवल बर्फ ही बर्फ दिखाई दे रही है। पिछले तीन दिन से पांच से ज्यादा जिलों में न्यूनतम तापमान माइनस में जा रहा है। इन 28 फोटो में देखिए आधे राजस्थान को जमा देने वाली ठंड।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

आईटीडीसी

Classifieds

वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/ बेचना

बेचना है कर्मशियल परमिशन स्पेस 2400 पर 8500 वर्गफुट बना, राजीव गाँधी नगर , अयोध्या बाइपास रोड भोपाल , पार्क फेसिंग हॉस्पिटल/ गेस्टहाउस हेतु उपयुक्त 6264244558,8269287852

प्लाट मात्र 10,9000 हजार में 600 वर्गफीट अति शीघ्र बेचना है नीलबड की प्राइम लोकेशन पर रोड बिजली पानी तुरंत घर बनाए I 8319937948, 7999291701

For Sale 1800 Sqft Plot @ Crystal Smart City & 3BHK Flat 1800 sqft @ Rudraksh Phase-1, Bawadiyakalan. Chugh Syndicate Property Pvt. Ltd. 32, Zone-1, M.P. Nagar ,- 7000122016, 9425666664

नए भोपाल की प्राइम लोकेशन बावड़िया कला, मिसरोद, गुलमोहर, शाहपुरा, होशंगाबाद रोड, दानिश नगर, कोलार में प्रोपटी खरीदने/ बेचने हेतु संपर्क करे सुपर प्रोपटी -8871551117

बेचना है कोलार मेंन रोड जानकी अपार्टमेंट कवर्ड केंपस में फर्स्ट फ्लोर पर बड़ा फ्लेट 3 बैडरूम, एक हाल, दो बालकनी, दो लेटबाथ, पार्किंग, संपर्क- 7974670574

नए भोपाल में स्थित सभी प्रकार की रेसीडेंशियल/कमर्शियल/इंडस्ट्रियल प्रोपटी/ वेयर हॉउस खरीदने-बेचने व रेंटल सर्विस हेतु संपर्क करे:- अनिल प्रोपटीज अरेरा कॉलोनी मो. 9893164317

2 BHK Flat For Sale 800 sqft 1st Floor 24 hrs Water electricity Parking prime location of saket nagar 9A near AllMS hospital price 25 lakh – 70007509

For sale 968/1452/4305 Sqft Plots at Misrod Phase 1-2 3 BHK Flat 1417 Sqft For Sale at Coral Woods Hoshangabad road. Chugh Syndicate Property Pvt. Ltd. – 7000122016, 9425666664

शीघ्र बेचना है 2बीएचके पेंटहाउस 110sqft बिल्डअप,1000sqft ओपन टेरेस के साथ कवर्ड केम्पस बावडिया कला के पास, दानिश चोराहा, कीमत 34.96 लाख. संपर्क 9039059071, 9285559071

ITDC प्रॉपर्टी/ रेन्ट पर

37 वैशाली नगर कोटरा भोपाल का प्रथम तल, तीन कमरे, हॉल किराये से देना है किराया 14000 शर्मा लॉ चेंबर पुरानी विधानसभा संपर्क – 7000035422

For Rent 2bhk fully furnished in Gulmohar Colony Rent 15000/- Contact @ 8962643902

E-3/258 अरेरा कोलोनी में ग्राउंड फ्लोर पर 2BHK, 1BHK अलग–अलग फेमिली हेतु किराये से देना है संपर्क:- 7000735468, 9425601374(कावलकर)

किराये से -3 BHK फ्लेट Lakeview प्राइम लोकेशन Kohefiza में लिफ्ट, पानी, पार्किंग, किचिन, सर्व सुविधालयुक्त, 8817437959

४BHK platinum Plaza माता मंदिर, Orange 64, 5th फ्लोट, लिफ्ट सुविधा बैंक या शासकीय कर्मचारी की प्राथमिक, संपर्क करे 9893303141

किराये से देना है प्रथम मंजिल पर होल करीब 2500 वर्गफीट सराफा बाजार बेरागढ़ में जिम, कोचिंग हेतु उपुक्त 9303132326, 7374498931

MAHADEV PROPERTY CONSULTANT:WE Require 1200/2100 sqft Commerical and 1000/1200/1500/2100sqft Residential Plot in Danishkunj and 1000/1500/2100sqft Residential Plot in danishhills, 9425008779

१st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

For Rent Available 10no. main market, Arera colony, near SBL Main Road Front Ground Floor Showroom 756sqft Contact – 9893022224

३BHK Semi furnished Corner flat for rent in E-8 Ext. Bawadia kalan Near aura mall secured campus with all morden amenities 9826974630

ITDC JOB आवश्यकता

कोचिंग आवश्यकता: COUNESLERS, टेलीकॉलर FRESHERS, कंप्यूटर ऑपरेटर, SOCIAL MEDIA, मार्केटिंग मैनेजर, FACULTIES: गणित, ENGLISH, फिजिक्स, GS, केमिस्ट्री, PD, फिजिकल ट्रेनर, प्राइमरी, मिडिल TEACHERS: 799993477, 9826910161,

Urgently required field/ sales executive (Male/ Female) for Ecommerce shop registration work Walkin – TVS Tower, Near Jalsa Hotel, Mp nagar Zone -2, Bhopal. 7869917700, 7509888155

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLANCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC JOB आवश्यकता

Required School Development Manager (Sales) on Fixed & Incentive basis. Location– Guna, Rajgharh, Sehore, Vidisha & Bhopal. call or what's app at 8850388123

NETBOON Pvt Ltd leading E-commerce Organization in Jawahar Chowk Bhopal urgent hiring for Photoshop Editors-3, Web Content Writers-5, Online Sales telecalling Executives-5, must be fluent in English, Contact HR Dept- 9755065290, 9893014112

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क DK3/1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

Shop for Sale:
Inside Complex,
10x11 fts,
ground floor,
DIG Bungalow,
Berasia Road,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

To let Shop:
Inside Complex,
10x14 fts,
ground floor,
Arera Colony,
10 No Market,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

BOOK YOUR TICKET IN
60
SECONDS
AIR
TRAIN
BUS
JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

खबर की खबर

...ताकि खान-पान में धोखा न हो

दिल्ली उच्च न्यायालय के दो जजों विपिन सांघी और जसमीत सिंह ने खाने-पीने की चीजों के बारे में एक ऐसा फैसला दिया है, जिसका स्वागत सभी धर्मों के लोग करेंगे। उन्होंने कहा है कि खाने-पीने की जितनी चीजें बाजारों में बेची जाती हैं, उनके पूड़ों (पैकेट) पर लिखा होना चाहिए कि उन चीजों को बनाने में कौन-कौन सी शाकाहारी और मांसाहारी चीजों, मसालों या तरल पदार्थों का इस्तेमाल किया गया है ताकि लोग अपने मजहब और रीति-रिवाज का उल्लंघन किए बिना उनका उपभोग कर सकें।

अभी तो पता ही नहीं चलता है कि कौन-सा नमकीन तेल में तला गया है और कौन-सा चर्बी में तला गया है? फिर सवाल यह भी है कि वह चर्बी किसकी है? गाय की या सूअर की? इसी तरह से कई चीनी नूडल्स और आलू की पपड़ियां मांस और मछली से भी तैयार की जाती हैं। कुछ मसालों और चटनियों में भी तरह-तरह के पदार्थ मिला दिए जाते हैं, जिनका पता चलाना आसान नहीं होता है। खाद्य-पदार्थों में ऐसी चीजों की मात्रा चाहे कितनी ही कम हो, वह है, बहुत ही आपत्तिजनक! किसी भी व्यक्ति को धोखे में रखकर कोई चीज़ क्यों खिलाई जाए? इसीलिए अदालत ने निर्देश दिया है कि पैकेटों पर सिर्फ उन चीजों का नाम ही न लिखा जाए बल्कि यह भी स्पष्ट किया जाए कि वह शाकाहार है या मांसाहार है।

पिछले हफ्ते गुजरात उच्च न्यायालय ने भी अपने एक फैसले में यह स्पष्ट किया था कि आप किसी भी व्यक्ति के खाने-पीने पर अपनी पसंद थोप नहीं सकते। एक याचिका में मांग की गई थी कि गुजरात में मांस के क्रय-विक्रय पर प्रतिबंध लगाया जाए। यह तो ठीक है कि जो व्यक्ति जैसा भी खाना खाना चाहे, उसे वैसी छूट होनी चाहिए, क्योंकि प्रायः हर व्यक्ति अपने घर की परंपरा के मुताबिक शाकाहारी या मांसाहारी होता है। उनके गुण-दोष पर विचार करने की क्षमता या योग्यता किसी को बचपन में कैसे हो सकती है? इसीलिए मांसाहारियों की निंदा करना अनुचित है। लगभग सभी धर्मों में आपको मांसाहारी लोग मिल जाएंगे लेकिन किसी धर्मग्रंथ- वेद, बाइबिल, कुरान, गुरुग्रंथ साहब में क्या यह लिखा हुआ है कि जो मांस नहीं खाएगा, वह घटिया हिंदू या घटिया यहूदी और ईसाई या घटिया मुसलमान या घटिया सिख माना जाएगा?

मांसाहार मनुष्यों के लिए फायदेमंद नहीं है, यह निष्कर्ष दुनिया के कई स्वास्थ्य-वैज्ञानिक स्थापित कर चुके हैं। कोरोना महामारी में संक्रमण से बचने के लिए करोड़ों लोगों ने मांसाहार छोड़ दिया है। मानवता के लिए मांसाहार बहुत घाटे का सौदा है, यह तथ्य कई पर्यावरणविद और अर्थशास्त्रियों ने सप्रमाण सिद्ध किया है। दुनिया में भारत अकेला देश है, जहां करोड़ों परिवारों ने कभी मांस, मछली और अंडे का सेवन नहीं किया लेकिन उनका स्वास्थ्य, शक्ति और सौंदर्य किसी से कम नहीं है।

खबर, केवल खबर होती है

आपका अखबार है

सटीक, सच्ची, सारगर्भित,
खबर की तह तक,

ख़बरें वही,
जो आपकी जरुरत

PRESS
ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

क्रिप्टो पर पूर्ण प्रतिबंध संभव नहीं?

नई दिल्ली। क्रिप्टोकरेंसी जैसे नए उद्योग के विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में प्रतिबंध लगाने और प्रतिबंध न लगाने की अनिश्चितता के बीच क्रिप्टोकरेंसी पर प्रभावी प्रतिबंध लगाना संभव नहीं है। ब्लॉकचेन स्टार्टअप ईपीएनएस (एथेरियम पुश नोटिफिकेशन सर्विस) के सह-संस्थापक हर्ष रजत ने कहा, %यह टॉरेंट के माध्यम से फाइल साझा करने पर प्रतिबंध लगाने का उम्मीद करने की तरह है। दुनिया भर की सरकारों ने पिछले 20 साल से ऐसा करने की कोशिश की है लेकिन पीयर-टू-पीयर नेटवर्क को रोकना बहुत मुश्किल है। वर्तमान में, क्रिप्टो पर प्रतिबंध लगाने वाले देशों के दो प्रमुख उदाहरण हैं और सबूतों से यह अंदाजा मिलता है कि दोनों सफल नहीं हुए हैं। सबसे पहले, नाइजीरिया के सेंट्रल बैंक ने फरवरी में स्थानीय बैंकों को क्रिप्टोकरेंसी के साथ काम करने से रोक दिया और %गंभीर नियामकीय प्रतिबंधों% और कंपनियों तथा उपयोगकर्ताओं के खातों पर रोक लगाने की चेतावनी भी दी। लेकिन अक्टूबर में रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि प्रतिबंध के बाद देश में क्रिप्टो को अपनाने की रफ्तार में वृद्धि हुई । शोध कंपनी चेनालिसिस के मुताबिक मार्च में सेंट्रल बैंक के प्रतिबंध के ठीक बाद नाइजीरिया से भेजी गई क्रिप्टोकरेंसी का डॉलर मूल्य पिछले महीने के मुकाबले 17 फीसदी बढ़कर 13.2 करोड़ डॉलर हो गया। पिछले साल जून महीने की तुलना में इस साल जून में लेनदेन की दर 25 फीसदी अधिक थी। संयोग की बात यह है कि ऐसा ही प्रतिबंध भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2018 में भारतीय बैंकों पर लगाया था जिसे पिछले साल उच्चतम न्यायालय ने पलट दिया। एक तकनीकी नीति सलाहकार पॉलिसी 4.0 की संस्थापक तन्वी रत्ना का कहना है, इसके बाद क्रिप्टो निवेशकों ने पीयर-टू-पीयर नेटवर्क और भारतीय रुपये का इस्तेमाल कर लेनदेन को अंजाम दिया जो अन्य भुगतान मंचों पर बदल गया। विशेषज्ञों के अनुसार अब नाइजीरिया में भी ऐसा ही हो रहा है। इस साल मई में चीन ने पहले देश में क्रिप्टो माइनिंग परिचालन पर सख्ती बरती और फिर इसके बाद सितंबर में इसके कारोबार समेत क्रिप्टो से जुड़ी सभी गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। हालांकि, विकेंद्रीकृत वित्त (डीएफआई) मंचों पर गतिविधि बढ़ी है जो ब्लॉकचेन पर काम करती है और जिसका इस्तेमाल बैंकों या मानक क्रिप्टो एक्सचेंजों जैसे किसी भी बिचौलियों के बिना क्रिप्टो में कारोबार करने के लिए किया जा सकता है। चेनालिसिस के आंकड़ों के मुताबिक, जून 2021 तक 12 महीनों में चीन में 256 अरब डॉलर की क्रिप्टो गतिविधि का 49 प्रतिशत हिस्सा पहले से ही डीएफआई मंचों के माध्यम से अंजाम दिया जा रहा था। यूजर साइन-अप इन मंचों पूरी तरह से गुमनाम हैं और इसमें नाम, ईमेल आईडी या लोकेशन जैसी कोई पहचान नहीं है। भारत में भी इससे जुड़ा जोखिम है। भारत में क्रिप्टो एक्सचेंज के एक संस्थापक नाम न बताने की शर्त पर कहते हैं, भारत सरकार को यह समझना चाहिए कि भारत में शीर्ष क्रिप्टो एक्सचेंज केवाईसी (नो योर कस्टमर) का पालन कर रहे हैं जिसका मतलब है कि पूरे लेन-देन पर निगाहें हैं।

सड़क मंत्रालय का नेविगेशन ऐप : सड़क पर चलने वाले लोगों को एक्सीडेंट के खतरों का अलर्ट करेगा, ब्रेकर-गड्ढों जैसी कई जानकारी देगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश में लगातार एक्सप्रेस-वे और हाईवे तैयार किए हो रहे हैं। कई को चालू किया जा चुका है। तो कई पर तेजी से काम चल रहा है। ऐसे में अब सड़क पर गाड़ी चलाने वाले लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एक फ्री-टू-यूज-नेविगेशन ऐप लॉन्च किया है। इसे मूव का नाम दिया है। ये सड़क पर चलने वाले लोगों को एक्सीडेंट के खतरों के बारे में अलर्ट करेगा। इसमें कई तरह के रोड सेफ्टी फीचर्स भी दिए हैं। ऐप को केंद्रीय सड़क परिवहन और हाईवे मिनिस्ट्री ने देश में ड्राइवर और रोड सेफ्टी टेक्नोलॉजी के लिए IIT मद्रास और डिजिटल टेक कंपनी मैप माय इंडिया के कोलैबरेशन में लॉन्च किया गया है।

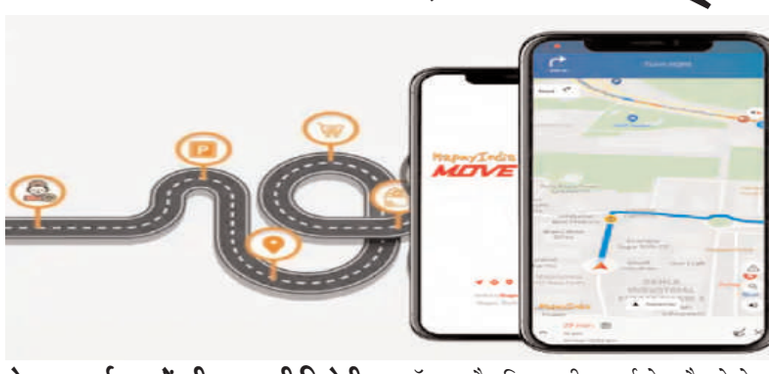

ब्रेकर, कर्व्स, गड्ढों की जानकारी मिलेगी

नेविगेशन ऐप सर्विस ड्राइवरों को अपकमिंग एक्सीडेंट प्रोन एरिया, स्पीड ब्रेकर, शार्प कर्व्स और गड्ढों जैसे दूसरे खतरों के बारे में वॉयस और विजुअली अलर्ट देता है। ये देश में सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वावे एक्सीटेंड और मौतों को कम करने के लिए सड़क परिवहन मंत्रालय की प्लानिंग का एक हिस्सा है।

IIT मद्रास और मैप माय इंडिया डेटा एनालिस्ट करेंगे

मैप माय इंडिया द्वारा डेवलप नेविगेशन सर्विस ऐप मूव ने 2020 में सरकार की आत्मानिर्भर ऐप इनोवेशन चैलेंज जीता था। इस सर्विस का इस्तेमाल नागरिकों और अथॉरिटी द्वारा एक्सीडेंट, असुरक्षित एरिया, सड़क और ट्रैफिक के मुद्दों को मैप पर रिपोर्ट और ब्रॉडकास्ट और दूसरे यूजर्स की मदद करने के लिए किया जा सकता है। डेटा का एनालिस्ट IIT मद्रास और मैप माय इंडिया द्वारा किया जाएगा। फिर भविष्य में सड़कों की स्थिति में सुधार के लिए सरकार द्वारा इसका इस्तेमाल किया जाएगा। बीते महीने सड़क मंत्रालय ने आधिकारिक तौर पर वर्ल्ड बैंक से फंडिंग के साथ IIT मद्रास के रिसर्चर्स द्वारा बनाए गए डेटा संचालित रोड सेफ्टी मॉडल को अपनाया है। सड़कों को सुरक्षित बनाने और आपातकालीन प्रतिक्रिया में सुधार करने में मदद के लिए 32 से अधिक राज्य और यूनियन टेरिटरी, इंस्टीट्यूट के डेवलप किए गए विकसित एकीकृत सड़क दुर्घटना डेटाबेस मॉडल का इस्तेमाल करेंगे। IITटीम ने 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को 50 प्रतिशत तक कम करने और रोड ट्रैफिक एक्सीडेंट से 0 मौतों के टारगेट करने अलग-अलग राज्य सरकारों के एग्रीमेंट किए हैं। इसके लिए वो एक रोडमैप डेवलप करेंगे।

नियमों में बदलाव : इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक में

1 जनवरी से 10 हजार रुपए से ज्यादा जमा करने पर देना होगा चार्ज

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक ने पैसे निकालने और जमा करने के नियमों में बदलाव किया है। 1 जनवरी से खाताधारकों को एक तय सीमा से ज्यादा कैश निकालने और डिपॉजिट करने पर चार्ज देना होगा। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के मुताबिक बेसिक सेविंग्स अकाउंट से हर महीने 4 बार कैश निकासी फ्री होगी। लेकिन इसके बाद हर निकासी पर 0.50न्न चार्ज देना होगा जो कम से कम 25 रुपए रुपए होगा। हालांकि बेसिंग सेविंग्स अकाउंट पर पैसे जमा करने पर कोई चार्ज नहीं लगेगा।

25 हजार तक निकालने पर नहीं देना होगा कोई शुल्क

बेसिक सेविंग अकाउंट के अलावा दूसरे सेविंग अकाउंट और करंट अकाउंट में 10 हजार रुपए तक जमा करने पर कोई शुल्क नहीं देना होगा। 10 हजार के बाद 0.50न्न शुल्क लगाया जाएगा। जो न्यूनतम 25 रुपए प्रति लेनदेन होगा। बचत और चालू खातों में हर महीने 25 हजार रुपए तक की नकद निकासी मुफ्त होगी और उसके बाद हर ट्रांजैक्शन पर 0.50न्न चार्ज देना होगा।

एटीएम फ्री ट्रांजैक्शन के बाद कैश निकासी पर 21 रुपए लगेंगे

RBI ने फ्री ट्रांजेक्शन के बाद कैश निकासी पर लगने वाले चार्ज को बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। बैंक अभी ग्राहकों से 20 रुपए प्रति ट्रांजैक्शन का चार्ज वसूलते हैं। इसमें टैक्स शामिल नहीं हैं। RBI ने कहा है कि इंटरचेंज फीस ज्यादा होने के कारण लागत की भरपाई के लिए बैंक ग्राहकों से फ्री ट्रांजेक्शन के बाद लिए जाने वाले चार्ज में बढ़ोतरी कर सकेंगे। RBI के मुताबिक, फ्री ट्रांजैक्शन के बाद बैंक अपने ग्राहकों से प्रति ट्रांजैक्शन 20 के स्थान पर 21 रुपए ले सकेंगे। इसमें टैक्स शामिल नहीं हैं। यह नियम 1 जनवरी 2022 से लागू होगा। एटीएम से कैश निकासी पर लिए जाने वाले चार्ज में करीब 7 साल बाद बढ़ोतरी की गई है।

इनकम टैक्स रिटर्न : 2020-21 के लिए अब तक फाइल हुए 3.7 करोड़ इनकम टैक्स रिटर्न

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

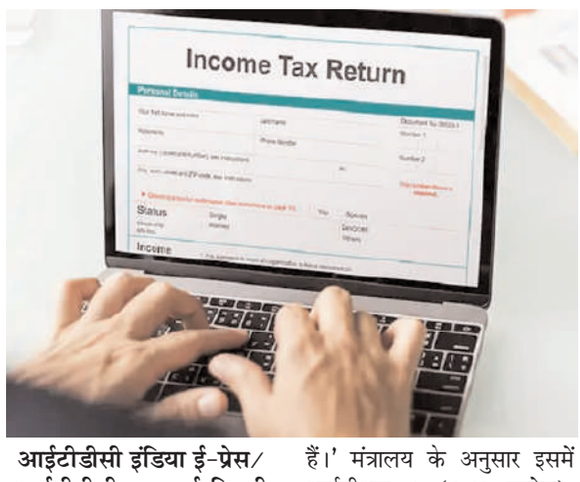

आईटीआर फाइलिंग2020-21 के लिए अब तक फाइल हुए 3.7 करोड़ इनकम टैक्स रिटर्न, 31 दिसंबर तक भरना है आईटीआर वित्त वर्ष 2020-21 के लिए अब तक 3.7 करोड़ इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) दाखिल हो चुके हैं। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की आखिरी तारीख 31 दिसंबर है। वित्त मंत्रालय ने एक ट्वीट में कहा, 'आयकर ई-फाइलिंग पोर्टल को आकलन वर्ष 2021-22 के लिए 17 दिसंबर 2021 तक 3,71,74,810 करोड़ से अधिक आईटीआर फाइल हुए हैं।' मंत्रालय के अनुसार इसमें आईटीआर 1 (2.12 करोड़), आईटीआर 2 (31.04 लाख), आईटीआर 3 (35.45 लाख), आईटीआर 4 (87.66 लाख), आईटीआर 5 (3.38 लाख), आईटीआर 6 (1.45) लाख और आईटीआर 7 (0.25 लाख) है।

31 दिसंबर के बाद देना होगा जुर्माना

अगर आप 31 दिसंबर तक रिटर्न फाइल नहीं करते हैं तो आपको रिटर्न फाइल करने पर 10 हजार रुपए लेट फीस चुकानी होगी। ऐसे करदाता जिनकी आय 5 लाख रुपए से ज्यादा नहीं है उनको लेट फीस के रूप में मात्र 1 हजार रुपए ही देने होंगे।

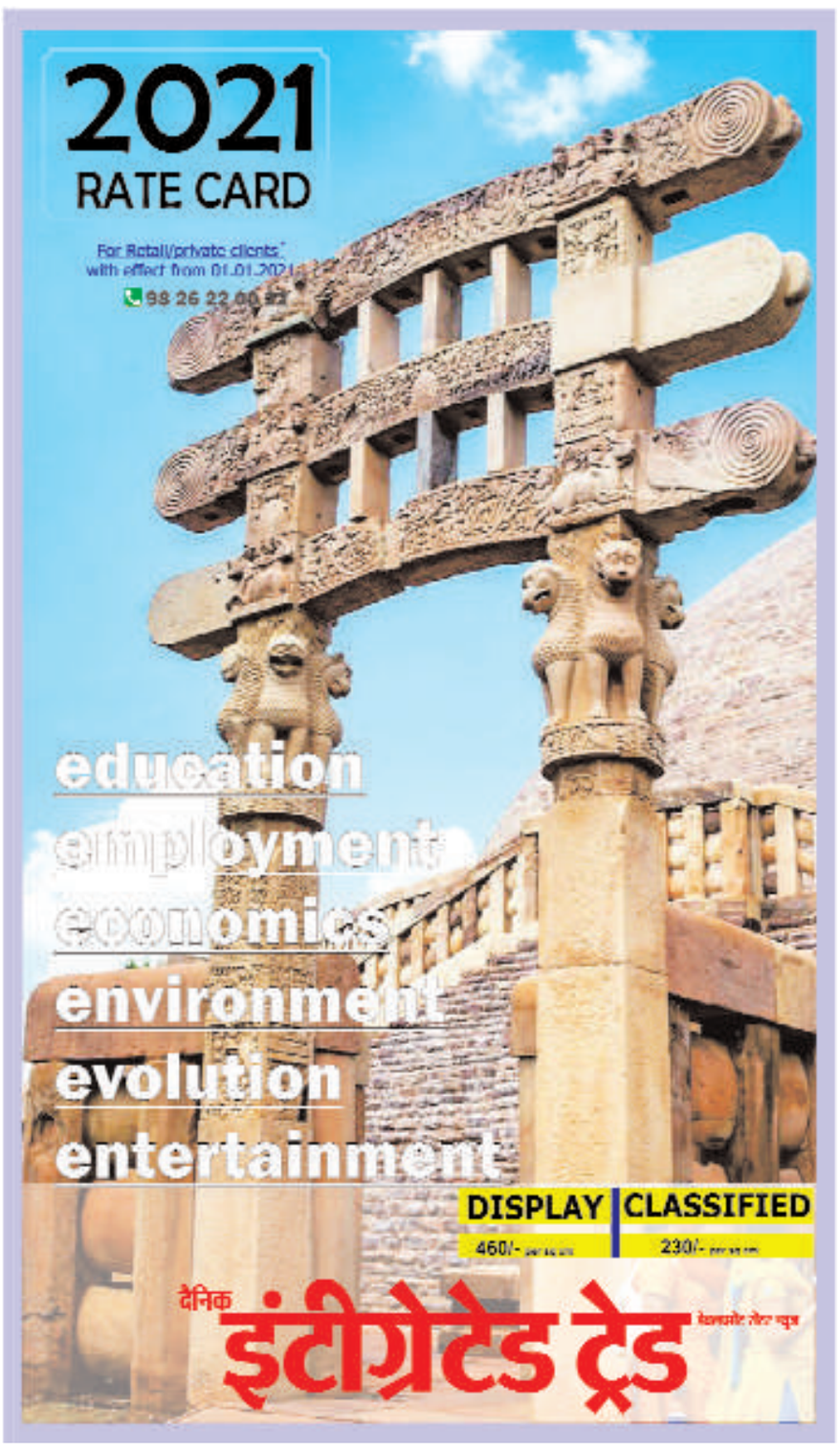

एपल की CCI से अपील:ऐप मार्केट में अपनी पॉवर का गलत इस्तेमाल करने के आरोपों को हटाया जाए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी एपल ने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (ष्टष्टढ्ढ) से उस पर लगे आरोपों को हटाने की अपील की है। एपल पर आरोप लगे हैं कि उसने ऐप मार्केट में अपनी पावर का गलत इस्तेमाल किया। एपल ने अपनी सफाई में कहा कि दक्षिण एशियाई देश में गूगल के मुकाबले वह बहुत छोटा खिलाड़ी है। यहां पूरी तरह से गूगल का डॉमिनेंस है। एपल ने अपनी फाइलिंग में कहा, भारत में उसकी बाजार हिस्सेदारी 0-5 फीसदी है, जबकि गूगल का मार्केट शेयर 90-100 फीसदी है, क्योंकि ज्यादातर लोगों के पास एंड्रॉयड फोन है। ऐसे में भारतीय बाजार में प्रभुत्व के बिना वह अपनी पावर का दुरुपयोग नहीं कर सकता। इसीलिए उसे इस केस से बाहर निकाला जाए। 16 नवंबर की इस फाइलिंग में चीफ कंप्लाइंस ऑफिसर काइल एंडीर के साइन हैं।

कोई सबूत नहीं किया पेश

एपल ने CCI से अपनी फाइलिंग में जो भी बातें कही है उसको लेकर कोई भी सबूत पेश नहीं किए हैं। वहीं CCI ने भी इस मामले में अब तक जो भी जांच की है इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। इस मामले को लेकर जब एपल और ष्टष्टढ्ढ से जानकारी मांगी गई तो उन्होंने इस पर कोई रिस्पॉन्स नहीं दिया। वहीं गूगल ने भी कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

कई देशों में लगे आरोप

भारत ही नहीं अन्य देशों में भी एपल पर इस तरह के आरोप लग चुके हैं। इस कमीशन रेट को लेकर दुनिया की अधिकांश एप कंपनियां परेशान हैं। एपल और गूगल के इस एकाधिकार को गेमिंग कंपनी एपिक ने अदालत में चुनौती दी है। एपिक गेम्स दुनियाभर में लोकप्रिय गेम फोर्टनाइट की निर्माता है।

नई ऊर्जा और जोश का संचार करते साहसिक खेल, भारत में बन गए हैं पर्यटन की नई पहचान

डॉ. प्रभात कुमार सिंघल

भारत एक ऐसा देश है, जहां इसकी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, भौगोलिक स्थितियों के साथ-साथ विविधताएं पर्यटन की दृष्टि से खास महत्व प्रदान करती हैं। विश्व में भारत जैसी पर्यटन विविधताएं शायद ही किसी और देश में हों। पर्यटन के विश्व मानचित्र पर भारत ने आज अपना अलग ही मुकाम बनाया है। भौगोलिक रूप से मीलों मील प्रवाहित होती नदियां, नील मणि से चमकते विशाल सागर, अकल्पनीय झीलें, इंद्रधनुषी संस्कृति के रंगों से भरपूर रेगिस्तान, कभी चांदी से तो कभी सोने से चमकते गगनचुंबी पर्वतों के शिखर भला किसे न लुभाएंगे। विविधता से भरपूर वनस्पति और जैव संपदा का आकर्षण। भारत एक ऐसा देश है, जहां इसकी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, भौगोलिक स्थितियों के साथ-साथ विविधताएं पर्यटन की दृष्टि से खास महत्व प्रदान करती हैं। विश्व में भारत जैसी पर्यटन विविधताएं शायद ही किसी और देश में हों। पर्यटन के विश्व मानचित्र पर भारत ने आज अपना अलग ही मुकाम बनाया है। भौगोलिक रूप से मीलों मील प्रवाहित होती नदियां, नील मणि से चमकते विशाल सागर, अकल्पनीय झीलें, इंद्रधनुषी संस्कृति के रंगों से भरपूर रेगिस्तान, कभी चांदी से तो कभी सोने से चमकते गगनचुंबी पर्वतों के शिखर भला किसे न लुभाएंगे। विविधता से भरपूर वनस्पति और जैव संपदा का आकर्षण। ऐतिहासिक रूप से शौर्य, त्याग, बलिदान और स्वाभिमान की गाथाओं से गूंजते किले और खूबसूरत महलों का संसार देश के राजाओं कहानियां सुनाते हैं। सभी धर्मों के आस्था स्थल देश की विविधता में एकता के दर्शन करते हैं। कला और संस्कृति की दृष्टि से देश केमेले-पर्वों की समृद्ध परंपरा, वेशभूषा, खान-पान, रहन-सहन और सामाजिक परंपराएं देश की अपनी अलग ही पहचान रखती हैं। मानव जीवन के ये सभी पक्ष भारत में पर्यटन का मजबूत आधार हैं।

यही वजह है कि प्रत्येक वर्ष लाखों की संख्या में देश-विदेश से पर्यटक भारत के इन पर्यटन क्षेत्रों की यात्रा करते हैं और अपने जीवन में सुखद अनुभव का आनंद लेते हैं। पर्यटक भारत की विरासत को जानने उसके इतिहास को समझने और दैनिक जीवन से आराम पाने के लिए भारत भ्रमण को प्राथमिकता देते हैं। भारत में कई ऐसे स्थान हैं, जहां हर उम्र, हर वर्ग के व्यक्ति के लिए पर्यटन के लिहाज से बहुत कुछ देखने के लिए है। भारत में पर्यटन की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों के बीच पिछले कुछ दशकों से पर्यटन माध्यमों ने नई करवट ली और कुछ ऐसे आयाम जुड़े, जो न केवल पर्यटन को बढ़ाने में सहायक बने हैं वरन पर्यटकों में नई उमंग, नए जोश और नए उत्साह को विकसित कर रहे हैं। इनसे पर्यटकों को कुछ नया करने का मौका मिला है।

जो पर्यटक साहसी हैं, निडर हैं और कुछ करगुजरने की हिम्मत रखते हैं, वे इस ओर आकर्षित हुए हैं। साहसिक खेल गतिविधियों ने पर्यटन में एक नया और रोमांचकारी अध्याय जोड़ दिया है। नभ, जल और जमीन से जुड़े साहसिक खेलों में आज पर्यटन में नई पहचान कायम कर ली है। खासकर युवा वर्ग के पर्यटक लड़के और लड़की दोनों इस ओर आगे आए हैं। जब वे पर्वतों, नदियों, समुद्रों और रेगिस्तान की सैर पर जाने का कार्यक्रम बनाते हैं तो उनकी सूची में साहसिक खेल प्राथमिकता से होते हैं। वे ऐसे स्थानों का चयन करते हैं, जहां ऐसे खेलों कीसुविधा हो और वे भरपूर मनोरंजन कर सकें। युवा ऐसे स्थलों की तलाश में रहते हैं, जहां वे साहसिक खेलों से रोमांचित हो कर मनोरंजन के पल गुजार सकें। रोमांचकारी पर्यटन अर्थात एंडवेंचर्स पर्यटन आज देश में सबसे अधिक महत्वपूर्ण व पसंदीदा पर्यटन बन गया है। अपने व्यस्त और तनाव भरे जीवन में खेल सदैव से दिमाग को तरोताजा करते रहे हैं और आगे कार्य करने के लिए नई ऊर्जा और जोश का संचार करते आए हैं। रोमांचकारी खेल इस दिशा में एक कदम और भी आगे हैं। इसीलिए पर्यटकों का इस ओर तेजी से रुझान बढ़ रहा है। युवा ही नहीं, हर आयु के पर्यटक रोमांचकारी गतिविधियों का आनंद लेने के लिए आतुर नजर आते हैं। यही वजह है कि पर्यटन के क्षेत्र में रोमांचकारी पर्यटन आज सबसे ज्यादा लोकप्रिय हो रहा है। भारत में रोमांचकारी पर्यटकों की भीड़ को खींचने के लिए सब कुछ है। साहसिक पर्यटन आज देश में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीयआयोजनों के रूप में सामने आया है। जब भी भारत में कहीं भी इनके आयोजन किए जाते हैं, बड़ी संख्या में पर्यटक भाग लेने के लिए घंटों तक अपनी बारी का इंतजारकरते देखे जा सकते हैं। अच्छी बात यह है कि साहसिक खेल देश के अनेक स्थानों पर प्रचलित होने से पर्यटन का दायरा बढ़ गया है और पर्यटक अपनी पसंद से अलग-अलग पर्यटन स्थल को अपनी यात्रा के लिए चुन सकते हैं। रोमांचक और साहसिक स्थलों की चर्चा करें तो देश का संपूर्णपर्यटन रोमांचित करता है। यहां हमने साहसिक गतिविधियों के संदर्भमें पहाड़ों, नदियों, झीलों, समुद्रों और रेगिस्तान को विशेष केंद्र बिंदु बनाया है। ये सब ऐसे पर्यटन स्थल हैं, जो रोमांच के साथ-साथ साहसिक गतिविधियों से भरपूर हैं।

संपादकीय

युवा आबादी का पूरा फायदा

हरजिंदर, वरिष्ठ पत्रकार

जब हम पाकिस्तान के निर्माण की बात करते हैं, तो उस जिद और खब्त के बारे में सोचने को बाध्य होते हैं, जिस पर इस मुल्क की नींव डाली गई। वैसे किसी जिद और खब्त की जमीन पर एक मुल्क बना देना अजूबी बात नहीं है, लेकिन पाकिस्तान के मामले में अजूबी बात यह है कि उसके पास इसके अलावा राष्ट्र-निर्माण की कोई और सामग्री थी ही नहीं। यहां तक कि उसके नेताओं ने इसके लिए कहीं कोई लंबा संघर्ष नहीं किया। अक्सर वे उस अंग्रेज सरकार के साथ ही खड़े दिखाई दिए, जिनसे मुक्त होने के लिए पूरा देश संघर्ष कर रहा था।

लेकिन यही बात हम बांग्लादेश के बारे में नहीं कह सकते। जब तक वह पूर्वी पाकिस्तान था, अतीत और वर्तमान में अपनी शख्सियत को खोजता हुआ एक ऐसा भूभाग था, जिसे बाकी दुनिया तो छोड़िए, खुद पश्चिमी पाकिस्तान के लोग भी तरस खाने लायक तक नहीं समझते थे। वह एक ऐसे उपनिवेश की तरह था, जहां के बाशिंदों को दोयम होने का एहसास तकरीबन हर रोज कराया जाता था। लेकिन कुछ ही समय में जब इसी भूभाग ने अपनी इस पीड़ा के एहसास को राजनीतिक चेतना में बदला, तो मुक्ति के रास्ते खुलने लगे। इस राजनीतिक चेतना को एक स्वयंभू राष्ट्र में बदलने के लिए जिस लंबे धैर्य और संघर्ष की जरूरत थी, वह भी इस मुल्क के इतिहास का हिस्सा बनी।

पचास साल पहले इस तरह जो बांग्लादेश बना, उसकी मानसिकता उस पाकिस्तान से पूरी तरह अलग थी, जो कभी अपने आप को इस भूभाग का आका मानता था। पाकिस्तान पूरी तरह से जिस भारत-विरोध से ग्रस्त है, बांग्लादेश एक संघर्ष के बल पर ही उससे पूरी तरह मुक्त हो गया। बांग्लादेश की मुक्ति में भारत ने भी पूरा और बहुत बड़ा सहयोग दिया, लेकिन यह एक अलग बात है। असल बात यह है कि बांग्लादेश ने 1971 में वह सब पा लिया था, जिस ईंट-गारे के जरिये किसी राष्ट्र की इमारत का निर्माण होता है- एक इतिहास बोध, एक संस्कृति, जिसे ढाई दशक के निरंतर आक्रमणों से बचा लिया गया था, और खुद अपने सपने देखने व मंजिलें तय करने का संकल्प। अब उसे अपने अस्तित्व के लिए किसी दूसरे देश से नफरत करने की जरूरत नहीं थी।

बांग्लादेश ने उस मनोविज्ञान का खात्मा कर देने में कामयाबी हासिल कर ली, जो किसी पाकिस्तान का आधार बनती है। ऐसी मानसिकता को मारना आसान होता है, लेकिन उसके भूत से छुटकारा पाना नहीं। अगर हम बांग्लादेश का पिछले पचास साल का इतिहास देखें, तो यह भूत वहां के लोगों को डराने और सरकारों को गिराने के लिए कई बार लौटता दिखाई देता है। कभी-कभी कामयाब भी होता है। ऐसी घटनाएं कई बार किसी देश की विकास-प्रक्रिया का हिस्सा होती हैं। फिलहाल हम बांग्लादेश की आधी सदी की विकास यात्रा को देखेंगे, जिसकी दूरी उसने पाकिस्तान की मानसिकता से मुक्त होकर नापी है। बांग्लादेश विश्व इतिहास के एक ऐसे मोड़ पर और भूगोल के एक ऐसे क्षेत्र में जन्मा था, जहां उसके लिए अपने पैरों पर खड़े होना आसान नहीं था। तीन साल बाद ही वहां भयानक अकाल पड़ा था और भारत समेत दुनिया भर की मदद के बाद ही वहां हालात सामान्य बनाए जा सके थे। बाकी की कसर वहां के समुद्री तटों से टकराने वाले तूफानों ने निकाल दी थी। यही वह समय था, जब भारी संख्या में वहां से आबादी ने भारत की ओर पलायन किया। इन 'बांग्लादेशी घुसपैठियों' के नाम पर भारत में खासी राजनीति भी चली, आंदोलन भी हुए और सरकारें भी बदलीं। यह बात अलग है कि इस नाम पर जो सरकारें बनीं, वे भी न बड़ी संख्या में उन्हें निकाल सकीं और न ही उनकी आमद को प्रभावी ढंग से रोक सकीं। एक लंबे दौर तक हम यही मानकर चलते रहे कि हमारे पड़ोस में आर्थिक तौर पर नाकाम एक देश है। और, हम इस अभिशप्त देश की नाकामी का दंश झेलने के लिए बाध्य हैं। कुछ छोटी-मोटी अच्छी खबरें भी आती रहीं। जैसे, वहां माइक्रो-क्रेडिट की अनूठी व्यवस्था विकसित हुई, कुछ संगठनों ने वहां जन-स्वास्थ्य को लेकर बहुत अच्छा काम किया, लेकिन आमतौर पर बांग्लादेश हमारे लिए दया का पात्र बना रहा। इसी दया-दृष्टि के चक्कर में बहुत से लोग यह देख ही नहीं सके कि वहां कुछ बदलाव भी हो रहा है, और वह भी बहुत तेजी से हो रहा है। इससे पहले कि हम समझ पाते, बांग्लादेश रेडीमेड कपड़ों की दुनिया का एक बड़ा निर्यातक बन गया। दुनिया के कुछ बाजारों में तो उसने चीन को भी पीछे छोड़ दिया। दुनिया में रेडीमेड कपड़ों के जितने भी बड़े ब्रांड हैं, उन सबकी पहली पसंद इस समय बांग्लादेश ही है। वह गारमेंट बाजार में आउटसोर्सिंग का सबसे बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। अपने सस्ते श्रम और युवा आबादी का जिस तरह से बांग्लादेश ने फायदा उठाया, वैसे उदाहरण बाकी दुनिया में कम ही हैं। जिस लक्ष्य को हासिल करने के लिए हम न जाने कब से संघर्ष कर रहे थे, वह इस देश ने कब हासिल कर लिया, हमें पता भी नहीं चला। आज जब एशिया की दो उभरती अर्थव्यवस्थाओं का जिक्र होता है, तो दो ही नाम सामने आते हैं- पहला वियतनाम का और दूसरा बांग्लादेश का। यह भी कहा जाता है कि ये दोनों देश इस समय आर्थिक प्रगति के उस मोड़ पर खड़े हैं, जहां तीन दशक पहले चीन खड़ा था। बेशक बांग्लादेश ने जो भी हासिल किया, उसमें वहां हुए आर्थिक सुधारों का बड़ा योगदान है।

अर्थशास्त्रीय आंकड़ेः मजबूत अर्थव्यवस्था की ओर

सेवा क्षेत्र में व्यापार, होटल, परिवहन आदि उप-क्षेत्र का प्रदर्शन लचर है। दरअसल हवाई यात्रा, अतिथि-सत्कार तथा होटल, रेस्टोरेंट्स व ढाबे महामारी में सबसे अधिक प्रभावित हुए। इस साल महामारी की दूसरी लहर भी इस क्षेत्र को झेलनी पड़ी, लिहाजा इसकी आर्थिक विकास दर धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रही है। बैंकिंग उप-क्षेत्र में भी उम्मीदजनक वृद्धि देखी जा रही है। विगत सितंबर तक बैंक जमाराशियों में पिछले वर्ष की तुलना में 9.3 फीसदी और कर्ज में 6.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है-ये दरें उत्साहजनक तो हैं, लेकिन उच्च विकास दर के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए काफी नहीं हैं। मार्च, 2018 तक बैंकों में कुल गैरनिष्पादित परिसंपत्ति का आंकड़ा 12 प्रतिशत था, जो मार्च, 2021 में घटकर आठ फीसदी रह गया है। अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए भी तमाम कदम उठाए जा रहे हैं, जैसे-ब्याज दरों में महामारी के पहले की तुलना में डेढ़ से दो फीसदी की कमी की गई है। ऐसे ही, होम लोन की ब्याज दर अभी सबसे कम करीब 6.5 फीसदी है, जबकि महामारी से पहले ब्याज दर औसतन 8.5 प्रतिशत थी।

बृहद अर्थशास्त्रीय आंकड़े दिखा रहे हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती की ओर है। निवेशकों व उद्योग क्षेत्र के आशावाद और सरकारी खर्च के कारण वित्त वर्ष 2022 में भारत की आर्थिक विकास दर 8.5 से 10 फीसदी तक हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक ने भारत की आर्थिक विकास दर के बारे में कमोबेश यही अनुमान व्यक्त किया है। अगर हमारी आर्थिक विकास दर इतनी होती है, तो फिर भारत पचास खरब डॉलर की, और अगले दशक में सौ खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है।

वित्त वर्ष 2022 के लिए ताजा सकल मूल्य वर्धित अनुमान बताता है कि मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही में न्यूनतम सकल मूल्य वर्धित पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के -20.2 फीसदी की तुलना में 26.8 प्रतिशत रहा है। बेशक पिछले वित्त वर्ष की आर्थिक बदहाली का कारण कोविड-19 महामारी और उससे निपटने के लिए लगाया गया लॉकडाउन था। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही की तुलना में 31.7 फीसदी था, इसके बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था कोविड से पहले के दौर की स्थिति में अभी नहीं पहुंच पाई है और इसका कारण है कोविड की दूसरी लहर के दौरान लगे आंशिक लॉकडाउन का अर्थव्यवस्था पर असर।

क्षेत्रवार विश्लेषण बताता है कि मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कृषि क्षेत्र में पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के 5.7 फीसदी वृद्धि के मुकाबले 11.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह भारतीय अर्थव्यवस्था के उस कृषि क्षेत्र के लिए बहुत बड़ा सहारा है, जिस पर 43 प्रतिशत श्रमबल की निर्भरता है। इसी अवधि में उद्योग क्षेत्र में पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही की -38.2 प्रतिशत वृद्धि की तुलना में 67.1 प्रतिशत वृद्धि हुई। जबकि आर्थिक विकास में बड़ी भूमिका निभाने वाले

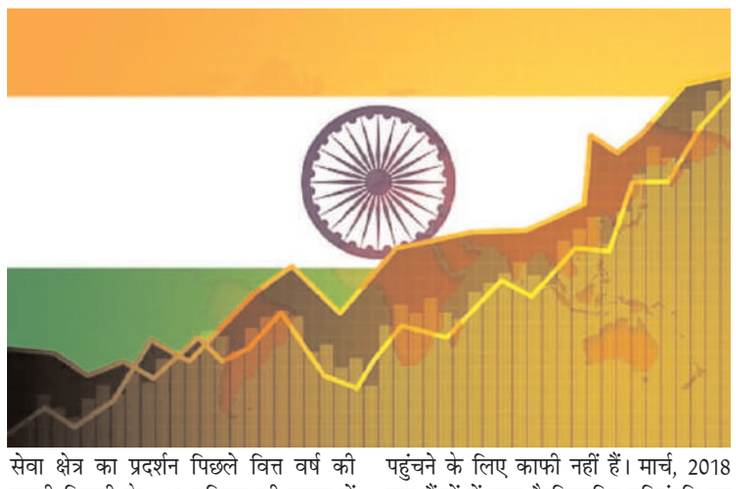

सेवा क्षेत्र का प्रदर्शन पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के -19 प्रतिशत की तुलना में मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 17.8 प्रतिशत वृद्धि हुई। बेशक, इस साल आर्थिक विकास दर के बढ़े हुए आंकड़े कमोबेश अतिरंजित लगते हैं, जिसका मुख्य कारण पिछले वित्त वर्ष में आर्थिक विकास दर में आई भारी गिरावट रही, उसमें भी खासकर पिछलेवित्त वर्ष की पहली तिमाही को महामारी का तात्कालिक असर झेलना पड़ा था। इस लिहाज से मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के विश्लेषण से अर्थव्यवस्था की कहीं सटीक तस्वीर सामने आएगी।

सेवा क्षेत्र में व्यापार, होटल, परिवहन आदि उप-क्षेत्र का प्रदर्शन लचर है। दरअसल हवाई यात्रा, अतिथि-सत्कार तथा होटल, रेस्टोरेंट्स व ढाबे महामारी में सबसे अधिक प्रभावित हुए। इस साल महामारी की दूसरी लहर भी इस क्षेत्र को झेलनी पड़ी, लिहाजा इसकी आर्थिक विकास दर धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रही है। बैंकिंग उप-क्षेत्र में भी उम्मीदजनक वृद्धि देखी जा रही है। विगत सितंबर तक बैंक जमाराशियों में पिछले वर्ष की तुलना में 9.3 फीसदी और कर्ज में 6.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है-ये दरें उत्साहजनक तो हैं, लेकिन उच्च विकास दर के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए काफी नहीं हैं। मार्च, 2018 तक बैंकों में कुल गैरनिष्पादित परिसंपत्ति का आंकड़ा 12 प्रतिशत था, जो मार्च, 2021 में घटकर आठ फीसदी रह गया है। अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए भी तमाम कदम उठाए जा रहे हैं, जैसे-ब्याज दरों में महामारी के पहले की तुलना में डेढ़ से दो फीसदी की कमी की गई है। ऐसे ही, होम लोन की ब्याज दर अभी सबसे कम करीब 6.5 फीसदी है, जबकि महामारी से पहले ब्याज दर औसतन 8.5 प्रतिशत थी।

अर्थव्यवस्था के व्यापक संकेतक भी उतने गौरतलब हैं। मुद्रास्फीति कम हो रही है, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक अगस्त के 5.3 फीसदी के मुकाबले सितंबर में घटकर 4.35 प्रतिशत रह गया। उद्योग क्षेत्र का प्रदर्शन भी सुधरा है, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक अगस्त में 11.8 फीसदी रहा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 640 अरब डॉलर के साथ सर्वकालीन ऊंचाई पर है। वित्त वर्ष 2021 में 82 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी एक रिकॉर्ड है। कॉरपोरेट क्षेत्र भी मजबूती से उभर रहा है। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनियों के मुनाफे में वृद्धि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 51 प्रतिशत अधिक रही। ज्यादातर कंपनियों ने रिकॉर्ड अवधि में कर्ज चुकाए और कॉरपोरेट कर्ज में भी कमी आई। कॉरपोरेट कर को घटाकर 25 फीसदी पर ले आने का भी फायदा हुआ है।

विदेशी व्यापार भी बढ़ रहा है। पिछले साल के 125 अरब डॉलर की तुलना में विगत सितंबर तक हमारा निर्यात 198 अरब डॉलर का हो चुका है। हालांकि इसी अवधि में पिछले साल की तुलना में हमारा आयात भी बढ़ा है। नतीजतन व्यापार घाटा भी पिछले साल के 26 अरब डॉलर से बढ़कर 78 अरब डॉलर हो चुका है। व्यापार घाटा बढ़ने का एक कारण कच्चे तेल के मूल्य में आई तेजी भी है। अर्थव्यवस्था की मजबूती का एक संकेतक कर संग्रह में वृद्धि भी है। मौजूदा वित्त वर्ष में अगस्त तक कर संग्रह पिछले साल की समान अवधि के 5.04 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 8.59 लाख करोड़ रुपये हो चुका है। इस वित्त वर्ष में अगस्त तक राजकोषीय घाटा पिछले साल के 8.7 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 4.68 लाख करोड़ रुपये ही रहा। दरअसल राजकोषीय घाटा सरकारी खर्च पर निर्भर करता है। सरकार खर्च बढ़ाने का फैसला लेती है, तो इससे उपभोग और विकास

बढ़ता है, जिससे आर्थिक विकास में गति आती है। हमारे शेयर बाजार का मूल्य निर्धारण करें, तो यह करीब 260 लाख करोड़ रुपये बैठता है-जो मौजूदा जीडीपी 210 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक है। भारतीय शेयर बाजार की यही रफ्तार रही, तो इस साल यह ब्रिटेन के शेयर बाजार को पीछे छोड़ दुनिया के शीर्ष चार देशों में पहुंच जाएगा। इस साल देश में आर्थिक सुधार की दिशा में कई कदम उठाए गए हैं। जाहिर है, सरकार के बढ़े हुए खर्च से अर्थव्यवस्था पर कोविड के बचे-खुचे असर को कम किया जा सकता है। यह परिदृश्य भारतीय उद्योग क्षेत्र के लिए भी बहुत उत्साहित करने वाला है, जिससे मौजूदा वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था के दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने की उम्मीद की जा सकती है।

तालीबान के कब्जे का बादः अफगानिस्तान का संकट और भारत

अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद वहां के अवाम को इस सर्दी के मौसम में पहले से बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा हैं। पानी व खाद्य पदार्थों की भारी कमी के कारण देश का मानवीय संकट अधिक गंभीर होता जा रहा है। भुखमरी का सामना करने वाले अफगानियों की संख्या में तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही है। अफगानिस्तान की कुल आबादी 3.9 करोड़ है, ताजा आंकड़ों के मुताबिक जिनमें से तीन करोड़ लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं। दो महीने पहले ऐसे अफगानियों की संख्या लगभग 1.4 करोड़ थी। स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वालों को नए तालिबानी शासन से तालमेल बैठाने में कठिनाइयों का सामना भी करना पड़ रहा है।

स्वास्थ्य सुविधाएं देने वाली 2,000 से अधिक संस्थाएं बंद हो चुकी हैं। अंतरराष्ट्रीय सहायता देने वाली एजेंसियों ने बताया है कि अगर इस मामले को युद्धस्तर पर न सुलझाया गया, तो साल के अंत तक लाखों छोटे बच्चों को खसरा और जानलेवा बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है। यूनिसेफ के अनुसार, पांच साल से कम उम्र के बच्चे तीव्र कुपोषण का शिकार हो सकते हैं। देश की सुरक्षा व्यवस्था ने भी खतरनाक रूप ले लिया है। देश में हिंसा बराबर जारी है। देश की अर्थव्यवस्था भी बुरी तरह चरमरा गई है, जिससे उबरने के लिए तालिबान की कोई बड़ी योजना सामने नहीं आई है। उनकी कोशिश है कि अमेरिका उनकी जब्त की हुई दस अरब डॉलर की संपत्ति वापस लौटा दे। यह मामला हाल में अमेरिका के प्रतिनिधियों के साथ

दोहा में दो दिन चली बैठक में उठाया गया, लेकिन बात बनी नहीं। अब तक भारत, पाकिस्तान, तुर्की व रूस ने ही अफगानिस्तान को मानवीय सहायता भेजी हैं। पर ये मदद बहुत कम है, जिससे सभी प्रांतों की जरूरतें पूरी नहीं हो पा रही हैं।

अमेरिका भी कह चुका है कि अफगानिस्तान को मानवीय सहायता दी जाएगी, लेकिन यह सीधे तालिबान को न देकर अंतरराष्ट्रीय मदद बांटने वाली संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों के जरिये दी जाएगी। उधर कुछ पश्चिमी देशों ने अफगानिस्तान को दी जाने वाली मदद पर रोक लगा दी है। वे एक ऐसे शासन को मदद नहीं करना चाहते, जिसने लड़कियों की शिक्षा पर पाबंदी लगाई हुई है और देश में शरीया कानून लागू कर दिया है। भारत ने अफगानों के लिए, 1.5 टन चिकित्सा संबंधी सामान और पचास टन खाद्यान्न की आपूर्ति शुरू की है, जो तालिबान के कमान संभालने के बाद से और अधिक कुपोषण तथा भुखमरी का सामना कर रहे हैं। पहले तो पाकिस्तान अपने देश से होकर इस आपूर्ति के परिवहन के लिए मंजूरी ही नहीं दे रहा था, फिर जब तैयार हुआ, तो उसने कुछ कठिन शर्तें रख दी हैं। उसने कहा है कि भारतीय आपूर्ति सिर्फ अफगान ट्रकों के जरिये ही हो सकती है और आपूर्ति दिसंबर के आखिर तक पूरी हो जानी चाहिए। केवल पचास अफगान ट्रक ही अफगानिस्तान-पाकिस्तान की मुख्य सीमा चौकी तोरखम तक जा सकते हैं। सवाल उठता है कि इतनी ज्यादा आपूर्ति मात्र दो हफ्तों में कैसे पूरी हो सकेगी। यह सब तब हो रहा है, जब पाकिस्तान सारी दुनिया से अफगानियों को मानवीय सहायता देने की अपील कर रहा है और सारा श्रेय खुद लेना चाहता है। उसने अफगानिस्तान की मदद के लिए इस्लामिक सहयोग संगठन की बैठक बुलाई है। दुनिया जानती है कि पिछले 20 साल में भारत ने अफगानिस्तान में सबसे ज्यादा विकास कार्य किया है, और अब भी उसे मानवीय सहायता देने की कोशिश कर रहा है। भारत चाहता है कि अलग-अलग देशों की ओर से दी जा रही मदद का दुरुपयोग न हो और देश फिर से आतंकवाद का अड्डा न बन जाए। भारत अफगानिस्तान में सर्वसमावेशी सरकार की कामना भी करता है। जब तक ऐसा नहीं होता, तालिबान की मौजूदा सरकार को कोई देश मान्यता नहीं देगा। तालिबान प्रशासन गरीब जनता को राहत देने में विफल साबित हुआ है। तालिबान को ये भी फैसला करना होगा कि अफगानिस्तान की आबादी के अधिकारों और जरूरत के अनुसार शासन करना है या तंग नजरी की बुनियाद पर।

ओ मन्दिर के शंख, घण्टियों / अंकित काव्यांश

ओ मन्दिर के शंख, घण्टियों
तुम तो बहुत पास रहते हो,
सच बतलाना क्या पत्थर का
ही केवल ईश्वर रहता है?

मुझे मिली अधिकांश
प्रार्थनाएँ चीखों सँग सीढ़ी पर
ही।
अनगिन बार
थूकती थीं वे हम सबकी इस
पीढ़ी पर ही।

ओ मन्दिर के पावन दीपक
तुम तो बहुत ताप सहते हो,
पता लगाना क्या वह ईश्वर भी
इतनी मुश्किल सहता है?

भजन उपेक्षित
हो भी जाएं फिर भी रोज सुने
जाएंगे।
लेकिन चीखें
सुनने वाला ध्यान कहाँ से हम
लाएंगे?

ओ मन्दिर के सुमन सुना है
ईश्वर को पत्थर कहते हो!
लेकिन मेरा मन जाने क्यों
दुनिया को पत्थर कहता है?

संतरा उत्पादन की उन्नत तकनीक

भूमि का चुनाव

संतरे की बागवानी हेतु मिट्टी की उपरी तथा नीचे की सतह की संरचना और गुणो पर ध्यान देने की आवश्यकता है बगीचा लगाने से पहले मिट्टी परिक्षण कर भविष्य में आने वाली समस्याओं का निदान कर बगीचे के उत्पादन व बगीचे की आयु में वृद्धि की जा सकती है ।

संतरे के पौधे

कलम खरीदने में सावधानिया संतरे के रोगमुक्त पौधे संरक्षित पौधशाला से ही लिये जाने चाहिए। यह पौधे मफाइटोप्थारा फंफूद व विषाणु रोग से मुक्त होते है । रंगपुर लाईम या जम्बेरी मूलवन्त तैयार कलमे किये हुए पौधे लिये चाहिए । कल मे रोगमुक्त तथा सीधी बढी होना चाहिए जिनकी उचाई लगभग 60 से. मी. हो तथा मूलवंत पर जमीन की सतह से बडिंग 25 से.मी उचाई पर की हो । इन कलमो में भरपूर तन्तूमूल जडे होना चाहिए , जमीन से निकालने में जडे टूटनी नही चाहिए तथा जडो पर कोई जख्म नही होना चाहिए ।

बगीचे की स्थापना

संतरे के पौधे लगाने के लिये 2 रेखांकन पदति का उपयोग होता है - वर्गाकार तथा षटभुजाकार पदति । षटभुजाकार पदति में 15 प्रतिशत पौधे वर्गाकार पदति की तुलना में अधिक लगाये जा सकते है । गढढे का आकार 75 ङ्ग 75 ङ्ग 75 से. मी. तथा पौधे को 6 ङ्ग 6मी. दूरी पर लगाना चाहिए । इस प्रकार एक हैक्टेयर में 277 पौधे लगाये जा सकते है हल्की भूमि में 5.5 ङ्ग 5.5 मी. अथवा 5 ङ्ग 5.मी. अंतर पर 300 से 400 पौधे लगाये जा सकते है । गढढे भरने के लिये मिट्टी के साथ प्रति गढढा 20 किलो सडी हुई गोबर की खाद के साथ 500 ग्राम सिंगल सुपर फास्फेट, 500 ग्राम नीम खली तथा 10 ग्राम कार्बेन्डाजिम का उपयोग करे ।

पौधो को लगाने के पूर्व उपचार व सावधानिया

पौधे की जडो को मेटालेक्जील एम जेड 72,2 2.75 ग्राम के साथ कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से पौधा लगाने के पहले 10-15 मिनट तक डूबोना चाहिए । पौधे लगाने के लिए

तक खरपतवारहित रखा जा सकता है खरपतवार निकलने के पश्चात् - ग्लायफोसेट 4 लीटर या पेराक्वाट 2 लीटर 500 से 600 लीटर पानी मे मिलाकर प्रति हैक्टर से उपयोग करे । जहा तक संभव हो खरपतवारनाशक फूल निकलने से पहले उपयोग करे । खरपतवारनाशक का प्रयोग मुख्य पौधो पर नही करना चाहिए ।

बहार उपचार (तान देना)

पेडो में फूल धारणा सूखने करने हेतु फूल आने की अवस्था में बहार उपचार किया जाता है । इस हेतु मृदा के प्रकार के अनुसार बगीचे में 1 से 2 माह पूर्व सिंचाई बंद कर देते है । इससे कार्बन नत्रजन अनुपात में सुधार आता है (नत्रजन कम होकर कार्बन की मात्रा बढ जाती है) कभी कभी सिंचाई बंद करने के बाद भी पेडो में फूल की अवस्था नही आती ऐसी अवस्था में वृद्धि अवरोधक रसायन सी.सी.सी. 1500 - 2000 पी.पी.एम. या प्लेक्लोबुटराझाल (कलटार) का छिडकाव किया जाना चाहिए ।

फल गलन

फलो का गिरना वर्ष में दो या तीन बार में होता है- प्रथम फल गोली के आकार से थोडा बडा होने पर तथा दूसरा फल पूर्ण विकसित होने या फल रंग परिवर्तन के समय । फल तुडाई के कुछ दिन पहले फल गलन अम्बिया बहार की काफी गंभीर समस्या है । फल गलन की रोकथाम हेतु फूल आने के समय जिब्रेलिक अम्ल 10 पी.पी.एम. यूरिया 1 प्रतिशत का छिडकाव करे ।

फल लगने के बाद फलो का आकर 8 से 10 मि.मी. 2, 4-डी 15 पी.पी.एम. बिनामिल तथा कार्बेन्डाजिम 1000 पी.पी.एम. यूरिया 1 प्रतिशत का छिडकाव करे । फल 18 से 20 मि.मी. आकरमान के होने के बाद जिब्रेलिक अम्ल 10 पी.पी.एम. पोटेशियम नाइट्रेट 1 प्रतिशत छिडकाव करे । सितंबर माह में 2, 4 - डी 15 पी.पी.एम. बिनामिल या कार्बेन्डाजिम 1000 पी.पी.एम. और यूरिया 1 प्रतिशत का छिडकाव करे । अक्टूबर महीने में जिब्रेलिक अम्ल 10 पी.पी.एम. पोटेशियम नाइट्रेट 1 प्रतिशत का छिडकाव करे । 2,4 - डी या जिब्रेलिक अम्ल 30 मिली. अल्कोहल या एसिटोन में घोले व बाद में पानी मिलाए । मृग बहार की फसल के लिए भी उपरोक्त रोकथाम के उपाय करे ।

उर्वरको का उपयोग

नत्रजनयुक्त उर्वरक की मात्रा को तीन बराबर भागों में जनवरी, जूलाई एवं नवम्बर माह में देना चाहिए । जबकि फास्फोरसयुक्त उर्वरक को दो बराबर भागों में जनवरी एवं जूलाई माह में तथा पोटाश युक्त उर्वरक को एक ही बार जनवरी माह में देना चाहिए ।

उर्वरको की मात्रा (ग्राम / पेड / वर्ष)

पौधो की आयु उर्वरक एवं अधिक	1 वर्ष	2 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष
नाइट्रोजन	1500	300	450	600
फास्फोरस	50	100	150	200
पोटाश	25	50	75	100

जूलाई से सितंबर माह का समय उपयुक्त है ध्यान रखे कि कली का जोड जमीन की सतह से 25 से.मी. उपर रहे । जमीन से 2.5 से 3 फीट तक आवांछित शाखाओं को समय समय पर काटते रहे । बगीचो में अंतर फसले - संतरे के बगीचो में 6 साल के पश्चात् व्यवसायिक स्तर पर फसल ली जाती है । इस समय तक 6 ग 6 मीटर की काफी जगह खाली रह जाती है अतः कुछ उपयुक्त अंतरवर्ती दलहन फसले ली जा सकती है । कपास जैसी फसले जमीन से अधिक पोषक तत्व लेती है ।

जलप्रबंधन

अधिक सिचाई से अधिक उत्पादन जैसी धारना सही नही है पटपानी से बगीचे को नुकसान होता है । गर्मी के मौसम में सिचाई 4 से 7 दिन तथा ठंड के मौसम में 10 से 15 दिन के अंतर में करना चाहिए । सिंचाई का पानी पेड के तने को नही लगना चाहिए । इसके लिए सिंचाई की डबल रिंग पदति का उपयोग करना चाहिए । टपक सिंचाई उत्तम विधि है इससे से पानी की 40 से 50 प्रतिशत बचत होती है तथा खरपतवार भी 40 से 65 प्रतिशत तक कम उगते है । पेडो की वृद्धि व फलो की गुणवत्ता अच्छी होती है तथा मजदूरो की बचत भी होती है।

खरपतवार नियंत्रण

एक बीजपत्रीय खरपतवार मे मोथा , दूबघास तथा कुश एवं द्वीबीजपत्री में चैलाई बथुआ,दूधी,कांग्रेस, घास मुख्यतः पाये जाते है खरपतवार निकलने से पहले -डायूरान 3 कि. ग्रा या सीमाजीन 4 किग्रा. सक्रिय तत्व के आधार पर प्रति हेक्टर के दर से जून महीने के पहले सप्ताह में मिट्टी पर प्रथम छिडकाव और 120 दिन के बाद सितंबर माह में दूसरा छिडकाव करने से बगीचा लगभग 10 माह

संतरा बागानों में कीट प्रबंधन

संतरे का सायला कीट

(1) प्रौढ़ एवं अरभक क्षतिकारक अवस्थाये
(2) कीट समूह में रहकर नाजुक पत्तियों से तथा फूल कलियों से रस शोषण करते है परिणामतः नई कलियां तथा फलों की गलन होती है।
नियंत्रण: (1) जनवरी-फरवरी, जून-जूलाई तथा अक्टूबर - नवम्बर में नीम तेल (3-5 मि.ली. / लीटर) या इमिडाक्लोप्रिड अथवा मोनोक्रोटफॉस का छिड़काव करें।

पर्ण सुरंगक कीट

(1) नर्सरी तथा छोटे पौधों पर अधिक प्रकोप होता है, जिससे वृद्धि रूक जाती है। यह कीट मिलीबग तथा कैंकर रोग के संवाहक है।
(2) जीवन क्रम 20 से 60 दिन तथा वर्ष में 9 से 13 पीढ़ियां
(3) प्रकोप संपूर्ण वर्ष भर परंतु जूलाई -अक्टूबर तथा फरवरी-मार्च में अधिक।
नियंत्रण:-(1) नर्सरी में कीट ग्रसित पत्तियों को छिड़काव पूर्व तोड़कर नष्ट करें।
(2) क्विनालफॉस 25 ई.सी. का 2.0 मि.ली. अथवा फोसोलान 1.5 मि.ली./लीटर

नीबू की तितली

(1) कीट प्रकोप वर्ष भर परंतु जूलाई - अगस्त में सर्वाधिक
(2) वर्ष में 4-5 पीढ़िया
(3) इल्लियों की पत्तियां खाने की क्षमता बहुत अधिक होती है।
(4) इल्लियों का रंग कत्थई, काला होता है। विकसित इल्ली पर सफेद चित्तीयां होती है जिससे चिड़ियों की बीट के समान प्रतीत होती है।
नियंत्रण:- (1) डायपेल (बी.टी.) 0.05 प्रतिशत या सायपरमेथ्रिन 1 मि.ली./लीटर अथवा क्विनालफॉस 25 ई.सी. का 2.0 मि.ली. /लीटर

छाल खाने वाली इल्लियां

(1) इल्लियां रात्रिचर - तने से बाहर आकर रात में छाल का भक्षण करती है।
(2) तने में अधिकतम 17 छिद्र देखे गये है।
नियंत्रण :- ग्रसित भाग के जाले हटाकर डायक्लोरहॉस 1 प्रतिशत घोल छिद्र में डालकर छिद्र कपास से बंद करें।

रोग के फैलाव के प्रमुख कारण

1. फायटोप्थोरा के लिए अप्रतिरोधक मातृवृक्ष(रूटस्टाक) का उपयोग।
2. बगीचे में पट पानी देना तथा क्यारियों में अधिक समय तक पानी का रूकना।
3. गलत पदति से सिंचाई द्वारा प्रसार।
4. जमीन से 9 इंच से कम ऊचाई पर कलम बांधना।
5. एक ही जगह पर बार बार नर्सरी उगाना।
6. रोग प्रभावित बगीचो के पास नर्सरी तैयार करना।

प्रबंधनः
अ) पौधशाला में फायटोप्थोरा रोग का प्रबंधन
1. बोनी के पूर्व फफूंद नाशक से बीजोपचार करना चाहिए।
2. पौधो को पौधशाला सें सीधे बगीचे में नही ले जाना चाहिए। जड़ो का अच्छी तरह धोकर, मेटालेक्जिल एम. जेड 2.75 ग्राम प्रति लिटर के साथ कार्बिनडाजिम/ग्राम प्रति लिटर घोल से 10 मिनट तक उपचारित करना चाहिए।
3. जमीन से लगभग 9 इंच के ऊपर कलम बंधना चाहिए।
5. पौधशाला में प्लास्टिक ट्रे एवं निर्जिवीकृत (सुक्ष्मजीव रहित) मिट्टी का उपयोग करना चाहिए।
6. पौधशाला हेतु पुराने बगीचों से दूर अच्छी जल निकासी वाली जमीन का चयन करना चाहिए।

बहुत फफूँद बढ़ जाते है। इसके बीजाणू वर्षा पूर्व 25 से 30 डिग्री सेल्सियस तापमान पर बढकर थैली नुमा आकार के हो जाते है जो पानी के साथ तैरकर जड़ो की नोक तथा जड़ो की जख्म के संपर्क में आकार बीमारी का प्रसार करते है। इन बीजाणुओ से धागेनुमा फफूंद का विकास होता है जो बाद में कोशिकाओं में प्रवेश कर फफूंद का पुनः निर्माण करते है। फायटोप्थोरा फफूँद पूरे वर्ष भर नर्सरी तथा बगीचो की नमी में सक्रिय रहती है।

बागानों में फायटोप्थोरा रोग का प्रबंधन

रोकथाम के उपायः

1. अच्छी जल निकासी वाली जमीन का चुनाव करे।
2. अच्छी प्रतिरोधकता वाली मूलवृन्त का चुनाव करे।
3. अधिक सिंचाई और जड़ो के टुटने से बचाना चाहिए।
4. पौध रोपण के समय कलम जमीन की सतह से लगभग 6 से 9 इंच ऊचाई पर होना चाहिए।
5. तने को नमी से बचाने के लिए डबल रिंग सिंचाई पदति का उपयोग करना चाहिए।
6. वर्षा के पहले और बाद में तने पर बोर्डेक्स पेस्ट लगाना चाहिए।

रोग नियंत्रण के उपाय

1. तने के रोग ग्रस्त भाग को चाकू से छिलकर मेटालेक्जिल एम जेड़ 72 का पेस्ट लगावे। छिले हुए भाग को जलाकर नष्ट करना चाहिए।
2. मेटालेक्जिल एम जेड 72 डब्लू पी 2.75 ग्राम प्रति लीटर या फोस्टिल ए.एल 2.5 ग्राम प्रति लीटर की दर से रोग ग्रस्त पौधो पर अच्छी तरह छिड़काव करें।
3. प्रतिरोधी मूलवृन्त जैसे रंगपूर लाइम पर फायटोप्थोरा का आक्रमण कम होता है।

संतरा बागानों में रोग प्रबंधन

फायटोप्थोरा बीमारी के लक्षण : फायटोप्थोरा रोग से नर्सरी में पौधे पीले पड़ जाते है, बढ़वार रूक जाती है तथा जड़ो की सडन होती है। इस फफूंद के कारण जमीन के ऊपर तने पर दो फीट तक काले धब्बे पड़ जाते है जिसके कारण छाल सूख जाती है। इन धब्बो से गोंद नुमा पदार्थ निकलता है। पेडो के जडो पर भी इस फफूंद से क्श ति होती है। प्रभावित पौधे धीरे धीरे सूख जाते है।

रोग का उद्गम : फायटोप्थोरा फफूंद के रोगाणु गीली जमीन से

गया मटर लगाने का मौसम

भूमि का चुनाव

मटर की खेती सभी प्रकार की भूमियों में की जा सकती है परंतु अधिक उत्पादन हेतु दोमट और बलुई भूमि जिसका पीएच मान 6-7.5 हो तो अधिक उपयुक्त होती है।

भूमि की तैयारी

खरीफ फसल की कटाई के पश्चात एक गहरी जुताई कर पाटा चलाकर उसके बाद दो जुताई कल्टीवेटर या रोटावेटर से कर खेत को समतल और भुरभुरा तैयार कर लें। दीमक, तना मक्खी एवं लीफ माइनर की समस्या होने पर अंतिम जुताई के समय फोरेट 10जी 10-12 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर खेत में मिलाकर बुवाई करें ।

बीज की मात्रा

ऊंचाई वाली किस्म 70-80 कि.ग्रा./हे.
बौनी किस्म 100 कि.ग्रा./हे.
बोनी का उपयुक्त समय - 15 अक्टूबर से 15 नवम्बर
कतार से कतार एवं पौधों से पौधों की दूरी-
ऊंचाई वाली किस्म 30×10 से.मी.
बौनी किस्म 22.5×10 से.मी.
बोने की गहराई - 4 से 5 से.मी.

बुआई का तरीका

बुवाई कतार में नारी हल, सीडड्रिल, सीडकम फर्टीड्रिल से करें।

बीजोपचार

बीज जनित रोगों से बचाव हेतु फफूंदनाशक दवा थायरम+कार्बेन्डाजिम (2.1) 3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज और रस चूसक कीटों से बचाव हेतु थायोमिथाक्साम 3 ग्राम प्रति किलो ग्राम बीज दर से उपचार करें उसके बाद वायुमण्डलीय नत्रजन के स्थिरीकरण के लिये राइजोबियम लेग्यूमीनोसोरम और भूमि में अघुलनशील फास्फोरस को घुलनशील अवस्था में परिवर्तन करने हेतु पीएसबी कल्चर 5-10 ग्रा./कि.ग्रा. बीज की दर से उपचार करें। जैव उर्वरकों को 50 ग्राम गुड़ को आधा लीटर पानी में गुनगुना कर ठंडा कर मिलाकर बीज उपचारित करें । फसल में अनुशंसित उर्वरक की मात्रा मिट्टी परीक्षण के आधार पर बुवाई के समय प्रयोग करें।

सूक्ष्म तत्वों की उपयोगिता, मात्रा एवं प्रयोग का तरीका

मटर फसल में सूक्ष्म पोषक तत्व अमोनियम हेप्टामोलिब्डेट 1 ग्राम/कि.ग्रा. बीज की दर से बीज उपचार कर बुवाई करें।

सिंचाई

स्प्रिकंलर से शाखा बनते समय और फूल आने से पूर्व हल्की सिंचाई करें।

नींदा प्रबंधन

फसल में नींदा की समस्या होने पर व्हील हो या हेण्ड हो द्वारा निंदाई करें जिससे फसल की जड़ क्षेत्र में वायु संचार बढ़ जाता है और खरपतवार नियंत्रित होने से पौधे में शाखाएं और उत्पादन में वृद्धि होती है।

रसायनिक नींदानाशक

दवा दवा की व्यापारिक मात्रा/हे. उपयोग का समय उपयोग करने की विधि
पेण्डीमिथालीन 3 लीटर/हे. बुवाई से 1 से 3 दिन के अंदर छिडक़ाव या फिर 500 ली. पानी/हे. की दर से घोल बनाकर छिडक़ाव करें।
मेट्रीब्यूजिन 250 ग्रा/हे. बुवाई के 15-20 दिन बाद छिडक़ाव करें।

उपज प्राप्त करने हेतु प्रमुख पांच बिन्दु

बीजोपचार - थायरम + कार्बेण्डाजिम (2+1) 3 ग्राम/किग्रा बीज और थायोमिथोक्साम 3 ग्राम/किग्रा बीज की दर से उपचारित करें उसके बाद राइजोबियम एवं पीएसबी कल्चर 5-10 ग्राम/किग्रा बीज की दर से उपचारित कर तुरंत बोवाई करें।
फसल की उत्पादकता बढ़ाने के लिये पोटाश 60 किग्रा और सल्फर 20 किग्रा/हे. बुवाई के समय प्रयोग करें।
फसल में शाखा बनते समय और फूल आने के पूर्व स्प्रिंकलर से हल्की सिंचाई करें।
पाला से फसल को बचाने के लिये घुलनशील सल्फर 80 डब्लूपी 2ग्राम/लीटर + बोरोन1 ग्राम/लीटर का घोल बनाकर छिडक़ाव करें। (1) मटर का भभूतिया रोग निरोधक उन्नत किस्में -प्रकाश, आई.पी.एफ.डी.99-13, आई.पी.एफ.डी.1-10, जी.एम.- 6, मालवीय -13, 15, के.पी.एम.आर. 400 किस्मों का चुनाव करें।
भभूतिया रोग के प्रबंधन हेतु फफूंद नाशक दवा से बीजोपचार करें और खड़ी फसल में रोग आने पर घुलनशील सल्फर 1-1.5 ग्राम प्रति ली. या मेंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति ली. की दर से 500 ली. प्रति हे. पानी में घोल बना कर छिडकें।

न्यूज ब्रीफ

फिलिपींस के तूफान से मलेशिया में बाढ़ : मलेशिया के 16 राज्यों में 30 हजार से ज्यादा लोग बेघर

मलेशिया में शुक्रवार से हो रही भारी बारिश के चलते बाढ़ आ गई है। इसके चलते रविवार को 30 हजार से ज्यादा लोग बेघर हो गए। सरकारी वेबसाइट के अनुसार, देश के 16 राज्यों और संघीय क्षेत्रों में से 8 में शनिवार को बाढ़ का जल स्तर खतरनाक स्तर चला गया है, जिससे आने वाले दिनों में हालात और भी बिगड़ सकते हैं। मलेशिया में हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि देशभर में नदियों में उफान, लैंड स्लाइडिंग और सुनसान सड़कों पर डूबी कारें दिखाई दे रही हैं। वहीं, देश के 15 हाईवे पर आवागमन ठप रहने सप्लाई चेन प्रभावित होने लगी है। इससे जरूरी चीजों की कमी होने का खतरा भी पैदा हो गया है। राजधानी क्वालालंपुर से लगा राज्य सेलांगोर बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित है। यह मलेशिया का सबसे अमीर राज्य माना जाता है। यहां 10 हजार से ज्यादा लोग अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं। प्रधानमंत्री इस्माइल साबरी याकूब ने कहा कि फंसे हुए लोगों को आश्रय स्थलों तक पहुंचाने में मदद के लिए पुलिस, सेना और दमकल विभाग के 65 हजार से ज्यादा कर्मियों को तैनात किया गया है।

दिसंबर के महीने में 10 साल की सबसे भीषण बाढ़

दिसंबर के महीने में यह इस दशक की सबसे भीषण बाढ़ है। इसके कारण कई शहरी इलाके पानी में डूब चुके हैं। प्रमुख हाइवे बंद हैं, जिससे कई शहर दूसरे शहरों से कट गए हैं। बाढ़ के चलते हाईवे पर 5000 से ज्यादा लोग फंसे हुए हैं।

पोर्ट क्लैंग बंदरगाह और ट्रेन सर्विस बंद

बताया गया है कि मलेशिया में यह बाढ़ फिलिपींस में आए राय तूफान के चलते आई है। इससे मलेशिया का सबसे बड़े बंदरगाह पोर्ट क्लैंग पर कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ है। यहां से शहर क्लैंग की ओर जाने वाली ट्रेन सेवाओं को रोक दिया गया है।

फिलिपींस के तूफान से मलेशिया में बाढ़:मलेशिया के 16 राज्यों में 30 हजार से ज्यादा लोग बेघर

क्वालालंपुर। मलेशिया में शुक्रवार से हो रही भारी बारिश के चलते बाढ़ आ गई है। इसके चलते रविवार को 30 हजार से ज्यादा लोग बेघर हो गए। सरकारी वेबसाइट के अनुसार, देश के 16 राज्यों और संघीय क्षेत्रों में से 8 में शनिवार को बाढ़ का जल स्तर खतरनाक स्तर चला गया है, जिससे आने वाले दिनों में हालात और भी बिगड़ सकते हैं। मलेशिया में हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि देशभर में नदियों में उफान, लैंड स्लाइडिंग और सुनसान सड़कों पर डूबी कारें दिखाई दे रही हैं। वहीं, देश के 15 हाईवे पर आवागमन ठप रहने सप्लाई चेन प्रभावित होने लगी है। इससे जरूरी चीजों की कमी होने का खतरा भी पैदा हो गया है। राजधानी क्वालालंपुर से लगा राज्य सेलांगोर बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित है। यह मलेशिया का सबसे अमीर राज्य माना जाता है। यहां 10 हजार से ज्यादा लोग अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं। प्रधानमंत्री इस्माइल साबरी याकूब ने कहा कि फंसे हुए लोगों को आश्रय स्थलों तक पहुंचाने में मदद के लिए पुलिस, सेना और दमकल विभाग के 65 हजार से ज्यादा कर्मियों को तैनात किया गया है।

दक्षिण कोरिया में 73 फीसदी लोग तनावग्रस्त : पैसे देकर शांति खोज रहे, सुकून के लिए 'जेल' में भी रहने को तैयार, मोबाइल-परिवार से पूरी तरह दूरी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज कोरिया

दक्षिण कोरिया में लोग कोरोना के लंबे दौर व काम के दबाव से तंग आ चुके हैं। यहां लोगों में पैसा खर्च कर शांति खोजने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। इस प्रवृत्ति को 'हिंटिंग मंग' नाम दिया गया है। लॉ फर्म में काम करने वाली 39 वर्षीय हान ये-जंग लंबी शिफ्ट के बाद सुकून की तलाश में हैं। वे कहती हैं कि जीवन में तनाव बढ़ जा रहा है। मेरे साथी भी ऐसा महसूस कर रहे हैं। मैं कुछ दिन पहले पैदल जा रही थी और एक शख्स मुझसे टकरा गया। पहले की स्थिति में दोनों माफी मांगते और अपने रास्ते पर चले जाते, लेकिन अब हर कोई इतने गुस्से में रहता है कि

झगड़े शुरू हो जाते हैं। ह नजारा अब आम है; कंपनियां संघर्ष कर रही हैं, दंपती तर्क-वितर्क कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें पैसे की चिंता है। हर कोई निराशा के सागर में डूबा हुआ है। लोगों को निराशा के भंवर से निकालने के लिए 'हिटिंग मंग' कल्चर लोकप्रिय हो रहा है। लोग परिवार के बिना सुकून वाली जगह तलाश रहे हैं। इस दौरान पेन और नोटपैड के अलावा कुछ नहीं रखते। इसके तहत वादियों और समुद्र या नदी के किनारे स्थित कैफे में बैठकर प्रकृति को निहार रहे हैं। इन जगहों पर सख्त चुप्पी का नियम है। कई सिनेमाघरों ने 40 मिनट की 'फ्लाइट' मूवी दिखाई। यह कहकर चार्ज किया कि 'बादलों के बीच थोड़ा आराम कीजिए।' जेजू द्वीप पर एक प्रतियोगिता हुई, इसमें उसे विजेता घोषित किया गया।

बेहद खतरनाक हुआ ओमिक्रॉन : डब्ल्यूएचओ ने कहा-

कम्युनिटी ट्रांसमिशन से 3 दिन में दोगुने हो रहे केस, मास्क और सैनिटाइजेशन बेहद जरूरी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

दुनिया के 89 देशों में अब तक ओमिक्रॉन वैरिएंट मिल चुका है और कम्युनिटी ट्रांसमिशन के चलते इसके केस 1.5 से 3 दिनों में दोगुने हो रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने यह जानकारी दी है। डब्ल्यूएचओ ने सदस्य देशों को दी तकनीकी जानकारी में बताया है कि इस बात का प्रमाण मिला है कि डेल्टा की तुलना में ओमिक्रॉन बहुत तेजी से फैल रहा है। चिंता की बात यह भी है कि ओमिक्रॉन उन देशों में तेजी से फैल रहा है, जहां आबादी में रोग प्रतिरोधक क्षमता ज्यादा है। हालांकि अब तक यह साफ नहीं है कि इस वायरस में इम्यूनिटी से बच निकलने की क्षमता है या इसकी संक्रामकता बढ़ गई है या ये भी हो सकता है कि इसके पीछे ये दोनों ही कारण हों।

26 नवंबर को मिला था वैरिएंट ऑफ कंसर्न का दर्जा

डब्ल्यूएचओ ने कहा- हमने 26 नवंबर को ओमिक्रॉन को वैरिएंट ऑफ कंसर्न का दर्जा दिया था। हालांकि हमें नहीं पता कि यह नया वैरिएंट कितना गंभीर साबित हो सकता है। अभी तक इस वैरिएंट के बारे में बहुत कम डेटा मौजूद है, उसके हिसाब से कुछ कहना मुश्किल है। ओमिक्रॉन पर वैक्सीन के प्रभाव के बारे में भी अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है। संगठन ने कहा कि राहत वाली बात बस यह है कि ओमिक्रॉन उतना घातक नहीं है, जितना कोरोना के पहले वाले वैरिएंट थे। हालांकि जिस गति से यह फैल रहा है उसे देखते हुए मास्क, सैनिटाइजेशन और भीड़ से बचने जैसे उपाय करते रहने की जरूरत है।

ओमिक्रॉन और डेल्टा मिलकर बना सकते हैं सुपर-वैरिएंट

मॉडर्ना के चीफ मेडिकल ऑफिसर डॉ. पॉल बर्टन ने कहा है कि अगर ओमिक्रॉन और डेल्टा स्ट्रेन मिलकर किसी को संक्रमित करते हैं तो कोरोना का नया सुपर वैरिएंट बन सकता है। ब्रिटेन में डेल्टा और ओमिक्रॉन की आउटब्रेक स्पीड ने सुपर-वैरिएंट की आशंका को बढ़ा दिया है। उन्होंने बताया कि दोनों वायरस आपस में मिलकर जीन शेयर और स्वैप कर सकते हैं। डॉ. बर्टन ने कहा कि आमतौर पर इंसान कोरोना के एक ही एक म्यूटेंट स्?ट्रेन से संक्रमित होता है, पर कुछ खास मामलों में दो स्ट्रेन एक ही वक्त पर मरीज को संक्रमित करते हैं। अगर डेल्टा और ओमिक्रॉन दोनों एक सेल को संक्रमित करते हैं तो ये आपस में ष्ठ्ठ की अदला-बदली कर सकते हैं। इन दोनों के मिलने से कोरोना का एक नया सुपर स्ट्रेन बन सकता है।

देश में रोजाना आ सकते हैं 14 लाख केस

भारत में लगातार 20 दिन से कोरोना के रोजाना 10 हजार से कम केस दर्ज हो रहे हैं। हालांकि इससे खतरा कम नहीं हो जाता है। नीति आयोग के सदस्य वीके पॉल ने कहा कि अगर हम ब्रिटेन में ओमिक्रॉन के संक्रमण का पैमाना देखें और भारत की आबादी से उसकी तुलना करें तो कहा जा सकता है कि संक्रमण फैलने पर भारत में रोजाना 14 लाख तक केस आएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि हर केस की जीनोम सीक्वेंसिंग नहीं की जा सकेगी।

पाकिस्तान पर रिकॉर्ड तोड़ कर्ज

इमरान की तब्दीली सरकार ने 3 साल में लिया 15 अरब डॉलर का कर्ज, पाकिस्तानी रुपया भी 30 फीसदी तक टूटा

इस्लामाबाद। भयानक आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान पर विदेशी कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। इमरान सरकार ने 2020-21 में दूसरे देशों से 15.32 अरब डॉलर का रिकॉर्ड कर्ज लिया। इसी के साथ तब्दीली सरकार ने 10.45 अरब डॉलर कर्ज मांगने का पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस सरकार ने सिर्फ तीन साल में ही पाकिस्तानी कर्ज दोगुना कर दिया। इमरान खान जब सत्ता में आए थे तब उन्होंने अपनी सरकार को मुल्क की किस्मत बदल देने वाली 'तब्दीली सरकार' बताया था। अब इसी तब्दीली सरकार पर सवालिया निशान लग रहे हैं। पाकिस्तानी अखबार 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' के मुताबिक, 3 साल में लिए गए 35.1 अरब डॉलर कर्ज की वजह से देश पर 85.6 अरब डॉलर का उधार हो गया है। इस मामले पर पाकिस्तान के वित्त मंत्रालय ने कहा- चालू खाते के घाटे को पूरा करने, विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ाने और जरूरी योजनाओं को पूरा करने के लिए नया कर्ज लिया गया। खास बात यह है कि इमरान सरकार ने कर्ज की किस्तें देने के लिए भी कर्ज ही लिया।

लगातार गिर रहा है पाकिस्तानी रुपया

तीन साल से पाकिस्तानी रुपए लगातार गिरावट का शिकार रहा है। 2018 में डॉलर के मुकाबले पाकिस्तानी रुपए की कीमत 123 थी। ये अब 30 फीसदी से ज्यादा टूटकर 179 तक पहुंच गई। इससे पहले पाकिस्तानी रुपए ने इतनी बड़ी गिरावट 1971 में देखी थी। बांग्लादेश के अलग होने बाद पाकिस्तानी रुपया 58 फीसदी टूटकर डॉलर के मुकाबले 4.60 से 11.10 पर पहुंच गया था। इमरान खान ने कुछ वक्त पहले दावा किया था कि देश में सब कुछ ठीक है। इसके बाद पाकिस्तान की फाइनेंशियल इन्वेस्टिगेश एजेंसी फेडरल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के पूर्व चेयरमैन सैयद शब्बर जैदी उनके इन दावों को झूठा बताया था।

ईयू की वॉर्निंग : रूस ने यूक्रेन पर हमला किया तो और प्रतिबंध लगेंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

गुरूवार को यूरोपियन यूनियन के सम्मेलन में रूस-यूक्रेन विवाद पर बढ़ा फैसला लिया गया है। यूरोपियन यूनियन के नेताओं ने कहा है कि अगर रूस पड़ोसी देश यूक्रेन पर हमला करता है तो उस पर और ज्यादा आर्थिक प्रतिबंध लगाए जाएंगे। हालांकि इस सम्मेलन में सिर्फ प्रतिबंध लगाने पर चर्चा हुई है, किसी पर लगाया नहीं गया। वहीं, एक अमेरिकी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रूस 2022 की शुरुआत में यूक्रेन पर हमला कर सकता है। ईयू समिट से पहले यूनियन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेन ने भी इस पर बयान दिया। लेन ने कहा- रूस को रोकने के लिए पहले से लगाए गए प्रतिबंधों को और ज्यादा बढ़ाने के अलावा दूसरे तरीकों का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। रूस ने जब 2014 में क्रीमिया पर कब्जा किया था, उसी वक्त से उनके फाइनेंशियल और एनर्जी सेक्टर पर प्रतिबंध जारी हैं। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि नए प्रतिबंध किस तरह के होंगे।

अमेरिकी रिपोर्ट का दावा- 2022 में रूस उठा सकता है बढ़ा कदम

होगा कड़ा रिएक्शन

यूरोपियन यूनियन के 27 देशों ने वादा किया है, अगर यूक्रेन के खिलाफ किसी भी तरह का मिलेट्री एक्शन लिया जाता है तो इसका कड़ा रिएक्शन होगा। रूस पर प्रतिबंध लगाने के लिए ईयू अमेरिका और ब्रिटेन के साथ कोऑपरेट करेगा। यूक्रेन रूस और पश्चिमी युरोप के बीच टकराव का केंद्र बना हुआ है। वहीं अमेरिकी इंटेलिजेंस का कहना है कि रूस ने यूक्रेन बॉर्डर के पास 1 लाख सैनिक तैनात कर दिए हैं, और 2022 की शुरुआत में हमले की तैयारी कर रहा है।

रूस ने किया सभी आरोपों का खंडन

नाटो के महासचिव जेन्स स्टोल्टेनबर्ग ने बताया कि रूस सीमा पर सैनिकों को कम करने के बजाए उनकी तादाद बढ़ा रहा है। लिथुआनिया के राष्ट्रपति गीतानास नौसेदा ने - हम 30 साल की सबसे खतरनाक स्थिति का सामना कर रहे हैं। मैं यूक्रेन के साथ पूर्वी यूरोप के देशों को लेकर भी परेशान हूं। दूसरी तरफ, रूस ने इन आरोपों का खंडन किया है। उसने कहा- हमारा यूक्रेन पर हमला करने का कोई प्लान नहीं है। तमाम आरोप गलत हैं। रूस और यूक्रेन के बीच लंबे वक्त से तनातनी जारी है। कुछ वक्त पहले अमेरिकी इंटेलिजेंस रिपोर्ट में कहा गया है कि रूस जल्द ही यूक्रेन पर हमला कर सकता है और उसने इसके लिए बड़े स्तर पर तैयारी कर ली है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी नई दिल्ली में संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान मीडिया से बात करते हुए।

गुवाहाटी में स्वतंत्र कामतापुर और राज्य के दर्जे की मांग को लेकर कोच-राजबोंगशी समुदाय के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया।

अमेरिकी सेना के निशाने चूके, 7 साल में इराक-सीरिया में 1300 नागरिक मारे गए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

पेंटागन की खुफिया रिपोर्ट में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पिछले 7 साल के दौरान इराक और सीरिया में अमेरिकी स्पेशल ऑपरेशन के तहत किए गए हमलों में 1300 से ज्यादा आम नागरिक मारे गए। जबकि अमेरिका की ओर से इन ऑपरेशनों में अपनी हवाई क्षमता और अत्याधुनिक हथियारों की मदद से केवल आतंकी ठिकानों पर ही बमबारी का दावा किया जाता रहा है। अमेरिका ने इन हमलों में कभी भी आम नागरिकों की मौत को स्वीकार नहीं किया। खुफिया रिपोर्ट के अनुसार अकसर अमेरिका को स्थानीय लोगों से मिलने वाली सूचनाएं गलत निकलती रही हैं। इसके कारण कई मामलों में रिहायशी ठिकानों पर ही बमबारी कर दी गई। जबकि अमेरिका की ओर से खाड़ी देशों में अपने ऑपरेशनों को शांति स्थापना के लिए किया जाना बताया जाता रहा है। पेंटागन की ओर से भी सार्वजनिक रूप से हमलों में पारदर्शिता का दावा किया जाता रहा है। लेकिन गलत हमलों में नागरिकों की मौत के किसी भी

मामले में कार्रवाई नहीं की। सात साल के दौरान अमेरिका ने सीरिया, इराक और अफगानिस्तान में लगभग 50 हजार हवाई हमले किए।

7 अफगान बच्चों की मौत वाले हमले में कार्रवाई नहीं होगी

पेंटागन ने रविवार को कहा कि अगस्त में अमेरिकी सेनाओं के हवाई हमले में 7 बच्चों सहित 10 लोगों के मारे जाने के मामले में कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। जबकि सितंबर में अमेरिका ने पहली बार अपनी चूक को स्वीकारा था। जबकि खुफिया रिपोर्ट के अनुसार 2018 के बाद अफगानिस्तान में अमेरिकी हमलों में 188 से ज्यादा नागरिकों की मौत हुई थी। 2016 में सीरिया में 85 आतंकियों को ढेर करने का दावा, 120 नगारिक मरे अमेरिका ने जुलाई, 2016 में सीरिया के टोकर में आईएसआईएस के बड़े ठिकाने पर बमबारी कर कई कमांडरों सहित 85 आतंकियों को ढेर करने का दावा किया था। लेकिन पेंटागन की खुफिया रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि अमेरिकी सेनाओं के निशाने चूक गए थे ।

न्यूज ब्रीफ

बैडमिंटन प्लेयर किदांबी श्रीकांत बोले- मुझे रैंकिंग नहीं खिताब जीतना था

नई दिल्ली। देश के शीर्ष पुरुष बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने यह कहा है कि वह अब चोट से पूरी तरह से उबर चुके हैं और उनकी नजर रैंकिंग से कहीं ज्यादा खिताब जीतने पर लगी हुई है। आपको बता दे की विश्व रैंकिंग में चौथे नंबर के श्रीकांत नागपुर में राष्ट्रीय टूर्नामेंट के दौरान जांघ में चोट लगने के कारण दो टूर्नामेंटों में पूरी तरह हिस्सा नहीं ले पाए थे। लेकिन अब वह पूरी तरह फिट हैं और 13 दिसंबर से शुरु होने वाली दुबई ओपन सुपर सीरीज में खिताब जीतने के लिए तैयार है। इस साल चार सुपर सीरीज खिताब जीत चुके श्रीकांत ने संवाददाताओं से कहा, मैं नंबर एक के बारे में कतई नहीं सोच रहा हूं। रैंकिंग से कहीं ज्यादा अहम मेरे लिए खिताब जीतना है। मैं केवल अच्छे प्रदर्शन करने के बारे में पूरी तरह सोचता हूं ना कि रैंकिंग के बारे में। यदि मैं अच्छा प्रदर्शन करता हूं और खिताब जितता हूं तो मैं नंबर वन अवश्य बन सकता हूं। 24 साल के किदामि श्रीकांत ने इस वर्ष चार सुपर सीरीज खिताब अपने नाम किए हैं। उन्होंने कहा, पिछले छह-आठ महीने मेरे लिए बहुत शानदार रहे हैं। वर्ष का यह आखिरी टूर्नामेंट होगा जिसमें मैं बहुत अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। इस वर्ष मेरा प्रदर्शन बहुत शानदार रहा है। लेकिन आने वाले समय में भी मैं ऐसा ही प्रदर्शन करना चाहता हूं। खेल एवं युवा मंत्रालय ने बैडमिंटन प्लेयर किदांबी श्रीकांत को रजत पदक और लक्ष्य सेन को कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी है।

एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी : आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारत का सामना सेमीफाइनल में जापान से होगा

ढाका। धीमी शुरूआत के बाद शानदार वापसी करने वाली गत चैम्पियन और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी पुरूष हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में मंगलवार को एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता जापान से खेलेगी तो उसका पलड़ा भारी होगा। पिछले राउंड रॉबिन मैच में जापान को 6.0 से हराने के बाद भारत के हौसले बुलंद हैं। अब उसकी नजरें एक और धमाकेदार जीत पर लगी होंगी। भारत को हालांकि आत्ममुग्धता से बचना होगा वरना उसकी सारी मेहनत पर पानी फिर जाएगा। पांच देशों के टूर्नामेंट के राउंड रॉबिन चरण में भारत के दस अंक है जबकि कोरिया छह अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। जापान और पाकिस्तान के पांच पांच अंक है और मेजबान बांग्लादेश ने खाता नहीं खोला है। तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद पहला टूर्नामेंट खेल रहे भारत को दक्षिण कोरिया ने 2.2 से ड्रॉ पर रोका। इसके बाद भारत ने बांग्लादेश को 9.0 से और पाकिस्तान को 3.1 से हराया। इसके बाद जापान को मात दी। उपकप्तान हरमनप्रीत सिंह ने जापान के खिलाफ पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल किए थे और जापान के लिये भी वह कड़ी चुनौती साबित होंगे ।

ऋषभ पंत उत्तराखंड के ब्रांड एंबेसडर : उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी; हरिद्वार के हैं पंत

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत उत्तराखंड के ब्रांड एंबेसडर होंगे। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। पंत हरिद्वार के रहने वाले हैं। उन्होंने घरेलू टूर्नामेंट में दिल्ली की ओर से खेलते हैं। धामी ने सोशल मीडिया पर किए पोस्ट में लिखा, %भारत के बेहतरनी खिलाड़ियों में से एक और युवाओं के आदर्श और उत्तराखंड के लाल ऋषभपंत जी को हमारी सरकार ने राज्य के युवाओं को खेल-कूद एवं जन-स्वास्थ्य के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है।% धामी ने पंत से बातचीत का एक वीडियो क्लिप भी शेयर किया है।

2017 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किया डेब्यू

25 टेस्ट
औसत 39.72, रन 1549

18 वनडे
औसत 33.06, 529 रन

41 टी-20
औसत 23.07, 623 रन

पंत ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट किए

उधर पंत ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि मैं खुश हूं। उत्तराखंड के लोगों के बीच खेल और जन-स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए ब्रांड एंबेसडर बनने का अवसर देने के लिए धामी सर का धन्यवाद। मैं इस संदेश को फैलाने की पूरी कोशिश करूंगा।

पंत साउथ अफ्रीका के दौरे पर

पंत अभी साउथ अफ्रीका के दौरे पर हैं। वह टेस्ट टीम का हिस्सा हैं। भारतीय टीम को साउथ अफ्रीका में 3 टेस्ट और 3 वनडे मैच खेलने हैं। पहला टेस्ट 26 दिसंबर से सेंचूरियन में खेला जाएगा। हालांकि अभी वनडे टीम की घोषणा नहीं की गई है। पंत वनडे टीम का भी हिस्सा होंगे, क्योंकि वह टीम इंडिया के तीनों फॉर्मेट में अपना स्थान पक्का कर चुके हैं। ऐसे में उनके वनडे टीम में शामिल होना तय है। वनडे सीरीज 19 जनवरी से शुरू है।

2017 में किया था डेब्यू

पंत ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू 2017 में किया था। उन्होंने टी-20 से इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया। उन्हेंने 2018 में टेस्ट और वनडे में डेब्यू किया। उन्होंने अब तक भारत के लिए 25 टेस्ट में 39.72 की औसत से 1549 रन बनाए हैं, जबकि 18 वनडे में 33.06 की औसत से 529 रन और 41 टी-20 में 23.07 की औसत से 623 रन बनाए हैं।

क्रिकेट पर ओमिक्रॉन का साया

भारत-साउथ अफ्रीका के पहले टेस्ट में दर्शकों की एंट्री बैन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारतीय टीम साउथ अफ्रीका के दौरे पर है। उन्हें तीन टेस्ट और तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलना है। पहला टेस्ट 26 से 30 दिसंबर के बीच खेला जाना है। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच सेंचुरियन के सुपर स्पोर्ट पार्क में खेले जाने वाले पहले टेस्ट के दौरान स्टैंड्स खाली रहेंगे। साउथ अफ्रीका में ओमिक्रॉन के बढ़ते हुए मामले को देखते हुए साउथ अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड ने पहले टेस्ट के टिकट नहीं बेचने का फैसला किया है। नई कोरोना गाइड लाइन के अनुसार सरकार ने 2000 लोगों को एंट्री की अनुमति दी है, लेकिन साउथ अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड ने बिना दर्शकों की उपस्थिति में ही पहला टेस्ट आयोजित कराने का फैसला किया है। हालांकि, स्टेडियम में एसोसिएशन और लोकल पदाधिकारी मौजूद रहेंगे।

दूसरे टेस्ट को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं

वांडरर्स में 3 से 7 जनवरी के बीच खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट में दर्शकों को एंट्री देने को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। टिकट्स बिक्री के लिए नहीं रखी गई है। स्टेडियम के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया है कि दर्शकों को एंट्री दी जाएगी या नहीं इसको लेकर अभी फैसला नहीं हुआ है। आगे इसकी जानकारी दी जाएगी।

साउथ अफ्रीका रवाना से पहले टीम इंडिया मुंबई में रही थी क्वारैंटाइन:- साउथ अफ्रीका रवाना होने से पहले भारतीय टीम 3 दिन मुंबई में क्वारैंटाइन रही थी। वहीं साउथ अफ्रीका पहुंचने पर भी भारतीय टीम 1 दिन क्वारैंटाइन पर रही। इस दौरान उनके 3 कोरोना टेस्ट भी हुए।

भारतीय टीम शुरू कर चुकी है ट्रेनिंग:- भारतीय टीम 17 दिसंबर को साउथ अफ्रीका पहुंच गई थी और एक दिन क्वारैंटाइन रहने के बाद टीम ने ट्रेनिंग भी शुरू कर दी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टीम के ट्रेनिंग करते हुए सोशल मीडिया पर फोटो और वीडियो पोस्ट किए थे।

मैच के शेड्यूल

पहला टेस्ट- 26 से 30 दिसंबर, 2021 (सेंचूरियन)
दूसरा टेस्ट- 3 से 7 जनवरी, 2022 (जोहान्सबर्ग)
तीसरा टेस्ट- 11 से 15 जनवरी, 2022 (केप टाउन)

कोहली और साथी खिलाड़ियों की मस्ती, द्रविड़ बोले- अच्छी प्रैक्टिस के लिए जोर लगाओ

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 26 दिसंबर से टेस्ट सीरीज का आगाज हो रहा है। सीरीज शुरू होने से पहले टीम इंडिया खूब पसीना बहाती नजर आ रही है। BCCI ने सोमवार को टीम के प्रैक्टिस सेशन का एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में भारतीय टीम के कोच राहुल द्रविड़ पूरी टीम से कहते दिख रहे हैं कि अच्छी प्रैक्टिस के लिए जोर लगाओ। इसके बाद कप्तान विराट कोहली द्रविड़ से अपनी बल्लेबाजी कैसे बेहतर करें इसको लेकर बात कर रहे हैं। वहीं, जब विराट बल्लेबाजी करते हैं तो टीम के खिलाड़ी उनके साथ मस्ती भी कर रहे हैं। कोहली जब बाउंसर गेंद को छोड़ते हैं तो साथी खिलाड़ी चिल्लाते हैं कि लाला क्वालिटी लाओ क्वालिटी। इस पर कोहली हंसते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में इसका ऑडियो साफ सुना जा सकता है।

ईशांत भी गेंदबाजी करते आए नजर:- न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में चोटिल हुए ईशांत शर्मा BCCI द्वारा शेयर किए गए वीडियो में गेंदबाजी करते नजर आ रहे हैं। ये टीम इंडिया के लिए अच्छी खबर है।

द्रविड़ का पहला विदेशी दौरा

बतौर हेड कोच राहुल द्रविड़ के टीम इंडिया के साथ ये पहला विदेशी दौरा है। यह दौरा द्रविड़ और पूरी टीम के लिए काफी अहम माना जा रहा है। दरअसल, भारतीय टीम ने अफ्रीकी सरजमीं पर आज तक कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीती है। ऐसे में राहुल द्रविड़ के लिए दौरा काफी चुनौतीपूर्ण रहेगा। टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली और क्चष्टष्ठ के बीच चल रहे कप्तानी विवाद को लेकर भी इस सीरीज को काफी अहम माना जा रहा है। चोटिल रोहित शर्मा इस सीरीज से बाहर हैं। वहीं, चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे की फॉर्म पिछले काफी दिनों से अच्छी नहीं रही है। ऐसे में अगर साउथ अफ्रीका में सीरीज जीतनी है, तो कैप्टन कोहली के साथ-साथ नई ओपनिंग जोड़ी मयंक अग्रवाल और केएल राहुल के कंधों पर अच्छे प्रदर्शन का दबाव रहेगा। मयंक अग्रवाल ने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई टेस्ट में शतकीय पारी खेली थी।

रियो डी जेनेरियो। ब्राजील के पूर्व महान फुटबॉल खिलाड़ी रोनाल्डो ने कहा कि वह अपने पुराने क्लब क्रुजेरियो के बहुलांश शेयरधारक बनेंगे। दो बार के विश्व कप विजेता 45 वर्षीय रोनाल्डो और क्लब के अध्यक्ष सर्जियो सैंटोस रोड्रिग्स ने शनिवार को सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि क्लब को खरीदने के लिए सैद्धांतिक रूप से एक समझौता हुआ था।

SUPER HERO
यदि आप
किसी भी व्यक्ति को जानते है
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।
हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहे हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।
Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com
PRESS ITDC
ITDC NEWS

रूट के प्राइवेट पार्ट पर बॉल लगी, एलगार्ड निकालते समय स्पाइडर कैमरा करीब आया तो बोले- हट जा भाई

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज एडिलेड

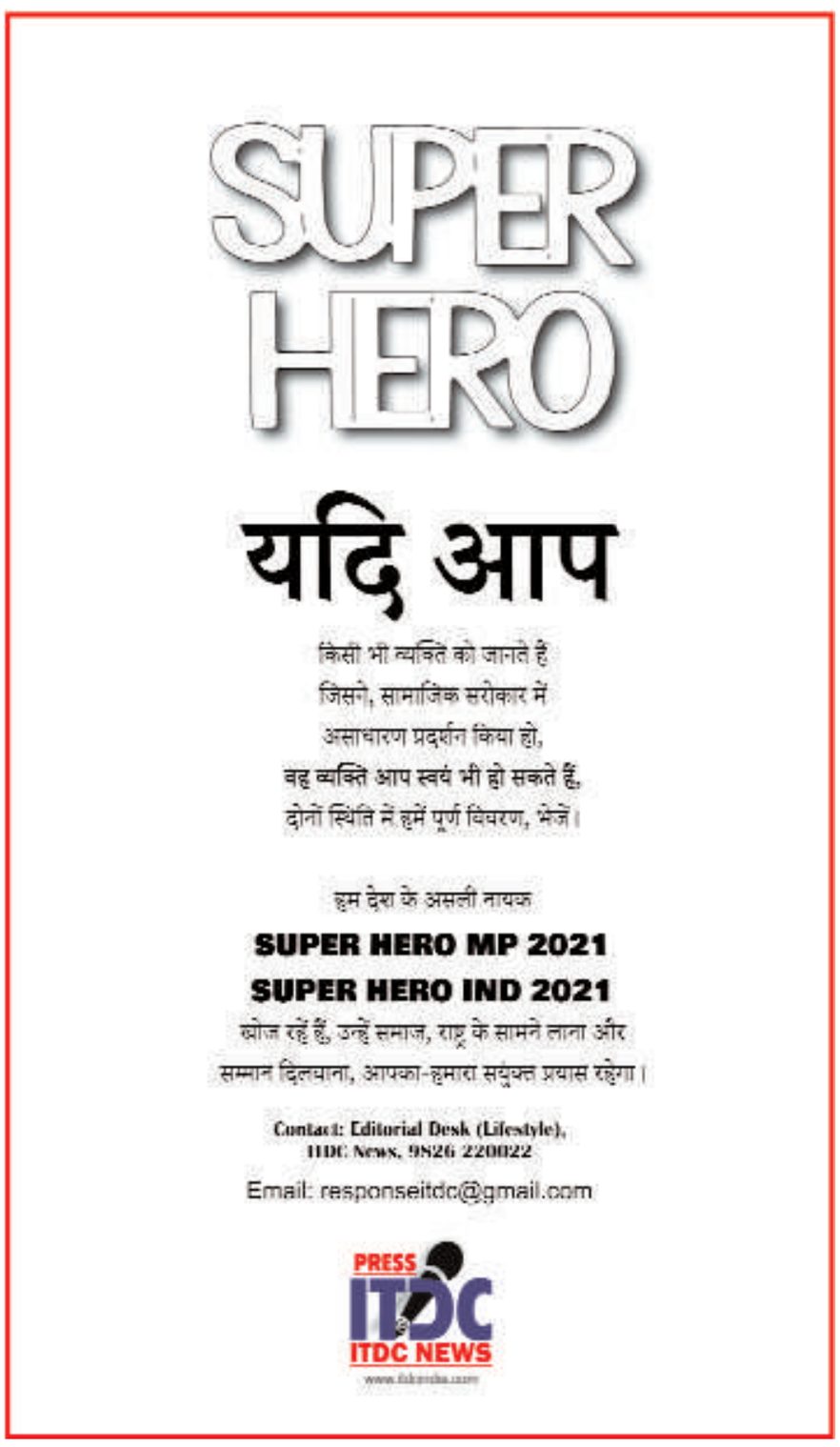

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज के एडिलेड में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के आखिरी दिन इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट को बैटिंग के दौरान प्राइवेट पार्ट पर बॉल लग गई। इसके बाद वह दर्द से कराहते हुए दो बार लुढ़के और ग्राउंड पर लेट गए। कुछ देर के ब्रेक के बाद वह फिर खेलने के लिए तैयार हो गए। इसी दौरान एक फनी चीज हुई। जब वह अपना गार्ड एडजस्ट कर रहे थे, तब स्पाइडरकैम रूट की तरफ आने लगा। उसी वक्त रूट ने कैमरे को दूर करने के लिए कहा और फिर गार्ड एडजस्ट किए।

टेढ़े -मेढ़े दौड़े तो, रिकी पोंटिंग हंस पड़े

प्राइवेट पार्ट पर गेंद लगने के बाद भी रूट ने जज्बा दिखाते हुए लंबे वक्त तक क्रीज पर टिके रहे और अपनी टीम को हार से निकालने के लिए जूझते रहे। उन्हें लगातार दर्द हो रहा था और वह ढंग से दौड़ भी नहीं पा रहे थे। वह रन लेने के लिए टेढ़े मेढ़े ढंग से दौड़ रहे थे। इसको देखकर कमेंट्री बॉक्स में बैठे रिकी पोंटिंग भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए।

रूट ने बनाए 24 रन

रूट ने 67 गेंदों का सामना कर 24 रन बनाए। उनका कैच मिचेल स्टार्क की गेंद पर एलेक्स कैरी ने पकड़ा।

जीत के करीब ऑस्ट्रेलिया

एडिलेड में खेले जा रहे एशेज के दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया जीत के करीब है। ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को जीत के लिए 468 रनों का टारगेट दिया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी दूसरी पारी 230/9 के स्कोर पर घोषित की। मार्नस लाबुशेन 51 और ट्रेविस हेड ने भी 51 रनों की पारी खेली। वहीं, क्रिस ग्रीन 33 के स्कोर पर नाबाद रहे। इंग्लैंड के लिए ओली रॉबिन्सन, कप्तान जो रूट और डेविड मलान ने 2-2 विकेट चटकाए।

न्यूज ब्रीफ

सीसीआई के एमेजन-फ्यूचर सौदे को निलंबित करने का विक्रेताओं ने स्वागत किया

नई दिल्ली। इंडियन सेलर्स कलेक्टिव (आईएससी) ने सोमवार को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के उस फैसले का स्वागत किया आईएससी ने इसके साथ ही बहुराष्ट्रीय ई-कॉमर्स मंचों और संबंधित पक्षों के खिलाफ लंबित मामलों के तेजी से समाधान की मांग की। आईएससी, जो देश भर में भारतीय विक्रेताओं के व्यापार संघों और प्रतिनिधि निकायों का एक समूह संगठन होने का दावा करता है, ने कहा कि सीसीआई का ताजा फैसला ''विदेशी खुदरा विक्रेताओं द्वारा अपनाए जा रहे दोहरे मानकों की पुष्टि करता है।'' संगठन ने एक बयान में कहा, ''इसके पता चलता है कि देश के खुदरा बाजार को नियंत्रित करने के इरादे से अमेजन कैसे दोहरे मानकों के साथ काम कर रही है, जो खुद को लेनदेन मंच के रूप में पेश करती है, लेकिन वास्तव में एक खुदरा विक्रेता की तरह व्यवहार कर रही है।'' आईएससी सदस्य और राष्ट्रीय समन्वयक अभय राज मिश्रा ने कहा कि सीसीआई द्वारा अपने आदेश को पलटने का फैसला कदाचार के खिलाफ नियामकों की कार्रवाई को दर्शाता है। इस बारे में टिप्पणी के लिए अमेजन को भेजे गए एक ईमेल का कोई जवाब नहीं आया। अखिल भारतीय मोबाइल खुदरा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंदर खुराना ने कहा कि सीसीआई के फैसले के लिए इससे अधिक उपयुक्त समय नहीं हो सकता था, क्योंकि इस वक्त छोटे खुदरा विक्रेता ऑनलाइन मार्केटप्लेस के कदाचार के कारण जबरदस्त दबाव में हैं।

कमजोर हाजिर मांग के कारण निकेल वायदा कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। हाजिर बाजार की कमजोर मांग के बीच निवेशकों नेअपने सौदों के आकार को कम किया जिससे वायदा कारोबार में सोमवार को निकेल की कीमत 25.50 रुपये की गिरावट के साथ 1 मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में दिसंबर माह में डिलिवरी वाले निकेल अनुबंध का भाव 25.50 रुपये यानी 1.65 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,522.60 रुपये प्रति किलो रह गया। इसमें 1,366 लॉट के लिये सौदे किये गये। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार की कमजोर मांग के कारण मुख्यत- यहां निकेल वायदा कीमतों में गिरावट आई।

कार्स24 ने वित्तीय संस्थानों से 3,040 करोड़ रुपये जुटाए

नई दिल्ली। पुराने वाहनों के ई-कॉमर्स मंच कार्स24 ने सोमवार को कहा कि उसने विभिन्न वित्तीय संस्थानों से 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 3 कंपनी ने कहा कि उसने विभिन्न वित्तीय संस्थानों से 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर के ऋण के साथ ही 30 करोड़ डॉलर सीरीज जी इक्विटी राउंड के तहत जुटाए हैं। इस दौरान कार्स24 का मूल्यांकन 3.3 अरब अमेरिकी डॉलर किया गया, जो सितंबर 2021 में उसके पिछले दौर के मूल्यांकन से दोगुना है।

आपके फायदे की बात:फिक्स्ड डिपॉजिट से ज्यादा ब्याज के लिए पोस्ट ऑफिस की PPF, NSC और KVP में करें निवेश

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पोस्ट ऑफिस कई ऐसी स्कीम्स चलाता है जिनमें आपको फिक्स्ड डिपॉजिट से ज्यादा ब्याज मिलता है। पब्लिक प्रोविडेंट फंड , नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट और किसान विकास पत्र इन्हीं स्कीम्स में से हैं। आपका पैसा भी सुरक्षित रहे और आपको बेहतर ब्याज भी मिलता है। आज हम आपको ग्राफिक्स के जरिए इन स्कीम्स के बारे में बता रहे हैं।

कहां निवेश करना रहेगा सही?

तीनों ही जगह निवेश करना पूरी तरह सुरक्षित रहेगा। अगर ब्याज की बात की जाए तो क्क्क्न में अन्य दोनों स्कीम्स की तुलना में ज्यादा ब्याज मिल रहा है, लेकिन इसमें 15 साल का लॉक-इन रहता है। वहीं NSC में 5 साल और किसान विकास पत्र में 2.5 साल का लॉक-इन रहता है।

PPF इनकम टैक्स की EEE कैटेगरी के अंतर्गत आता है। इसका मतलब यह है कि रिटर्न, मैच्योरिटी राशि और ब्याज से इनकम पर आयकर छूट मिलती है। वहीं NSC योजना में 80C के तहत 1.5 लाख रुपए तक के निवेश पर टैक्स छूट का लाभ लिया जा सकता है। जबकि किसान विकास पत्र में आपको कोई टैक्स छूट नहीं मिलेगी। ऐसे में अगर आप 15 साल के लिए निवेश कर सकते हैं और इनकम टैक्स का फायदा चाहते हैं तो PPF बेहतर बिकल्प रहेगा। वहीं अगर आप 15 साल के लिए निवेश नहीं कर सकते तो बाकी दोनों स्कीम्स में से किसी को अपने हिसाब से चुन सकते हैं।

सेंसेक्स 1700 पॉइंट्स टूटा, निफ्टी में भी 500 से ज्यादा अंकों की गिरावट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

दुनिया में कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रान से बिगड़ती स्थिति और वैश्विक बाजारों में कमजोरी का असर भारतीय बाजार पर भी देखने को मिल रहा है। हफ्ते के पहले दिन सोमवार को सेंसेक्स 1700 से ज्यादा अंक टूटकर 55,200 के करीब पहुंच गया है। निफ्टी में भी 500 से ज्यादा अंकों की गिरावट है और यह 16500 से नीचे पहुंच गया है। बाजार में आई इस गिरावट से मार्केट कैप में 9.49 लाख करोड़ रुपए की कमी आई है। शुक्रवार को यह 259.47 लाख करोड़ रुपए था जो आज 249.98 लाख करोड़ रुपए रह गया है। कोरोना का नया वैरिएंट ओमिक्रॉन तेजी से फैल रहा है। ओमिक्रॉन के खतरे को देखते हुए

ट्रैवल रेस्ट्रिक्शन से लेकर लॉकडाउन लगाया जा रहा है। कई यूरोपियन कंट्रीज में ओमिक्रॉन तेजी से फैल रहा है। ऐसे में नीदरलैंड ने लॉकडाउन की घोषणा कर दी है। ग्लोबल मार्केट में भी इस वजह से गिरावट आई है। पिछले 40 दिनों में विदेशी निवेशकों ने बाजार से 80 हजार करोड़ रुपए निकाल लिए हैं। अकेले दिसंबर में, FII ने कैश मार्केट में 26,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की बिकवाली की। इस साल की यह सबसे बड़ी मंथली सेलिंग है। 17 दिसंबर को FII ने कैश मार्केट में 2,069 करोड़ रुपए की बिकवाली की। इसके अलावा बढ़ती महंगाई को लेकर दुनिया भर के प्रमुख केंद्रीय बैंकों की चेतावनियों ने निवेशकों को डरा दिया है। महंगाई से निपटने के लिए बैंक ऑफ इंग्लैंड ने ब्याज दरें बढ़ाने वाला दुनिया का पहला प्रमुख केंद्रीय बैंक है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने भी महंगाई को चिंता का बड़ा कारण बताया है।

सेंसेक्स पर केवल 2 शेयर हरे निशान में

सेंसेक्स के 30 में से 28 शेयरों में गिरावट है। केवल हिंदुस्तान यूनिलीवर, डॉ. रेड्डी हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। सबसे ज्यादा गिरावट बजाज फाइनेंस (5.18 फीसदी), इंडसइंड बैंक (5.17 फीसदी), टाटा स्टील (4.94 फीसदी), एसबीआई (4.65 फीसदी) और एनटीपीसी (4.22फीसदी) में है।

नए साल के जश्न में पड़ रहा ओमीक्रोन का खलल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

नए साल और क्रिसमस के त्योहारी सीजन से पहले होटल जश्न की तैयारी कर रहे हैं और सज-धजकर तैयार हो रहे हैं मगर इस बार नए साल पर दो साल पहले तक होने वाला कोई भी बड़ा जश्न या कार्यक्रम नहीं किया जाएगा। इसकी वजह ओमीक्रोन का तेजी से गहराता साया है, जिससे घबराई राज्य सरकारें एक बार फिर भीड़भाड़ पर सख्ती करने लगी हैं। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने कल ही चेतावनी जारी करते हुए मुंबईवासियों को क्रिसमस और 31 दिसंबर की रात भीड़भाड़ से दूर रहने की सलाह दी। साथ ही यह भी कहा गया कि बंद स्थानों (हॉल, रेस्तरां) में कुल क्षमता के केवल 50 फीसदी लोग रहेंगे और खुले स्थानों पर क्षमता के 25 फीसदी लोगों को ही जुटने की इजाजत होगी। बीएसी ने अपने प्रत्येक वार्ड में निगरानी दस्ते भी तैनात करने का फैसला किया ताकि यह देखा जाए कि निर्देशों का पालन हो रहा है या नहीं। हालांकि मुंबई के नजदीक इमेजिका थीम पार्क में 31 दिसंबर को बड़े जश्न की तैयारी है, जिसमें डीजे, देर रात की राइड्स, मनोरंजन कार्यक्रम और नाइट परेड शामिल है।

घाटे का लक्ष्य विनिवेश पर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

सरकार की ओर से संसद में दूसरी पूरक अनुदान मांग पेश किए जाने से खजाने पर 2.99 लाख करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा, जिससे राजकोषीय घाटे का लक्ष्य हासिल करने को लेकर संदेह जताया जा रहा है। चालू वित्त वर्ष के लिए सरकार ने बजट अनुमान में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 6.8 प्रतिशत या 15.06 लाख करोड़ रुपये राजकोषीय घाटे का लक्ष्य रखा है। अब तक तमाम लोगों की राय थी कि सरकार राजकोषीय घाटे कोलक्ष्य की तुलना में बहुत कम रख पाने में सक्षम होगी, जो उसने बजट अनुमान में तय किया है। सरकार ने 3.74 लाख करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च करने के लिए संसद की मंजूरी मांगी है लेकिन 74,517.1 करोड़ रुपये अन्य मदों में इतनी ही बचत से जुटा लिया जाएगा। पहले चरण में सरकार ने संसद से 1.87 लाख करोड़ रुपये अतिरिक्त व्यय के लिए मंजूरी मांगी थी, जिनमें 23,674.81 करोड़ रुपये शुद्ध नकद प्रवाह शामिल था। इस तरह से सरकार वित्त वर्ष 2022 में बजट अनुमान की तुलना में करीब 3.23 लाख करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च करेगी। इसकी वजह से विशेषज्ञ यह कह रहे हैं कि सरकार का राजकोषीय घाटा संभवत- बजट लक्ष्य को पार कर जाएगा, भले ही वित्त वर्ष के शुरुआती 7 महीनों में वित्तीय अनुशासन का पालन किया गया है।

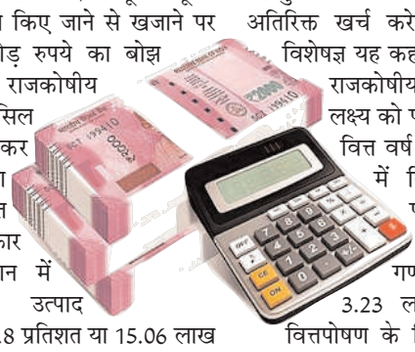

अर्थशास्त्रियों की गणना के मुताबिक इस 3.23 लाख करोड़ रुपये के वित्तपोषण के लिए सरकार 1.40 से 1.75 लाख करोड़ रुपये के बीच कर से प्राप्त कर सकती है, जो राज्यों को कर विभाजन के बाद होगा। साथ ही रिजर्व बैंक का लाभांश हस्तांतरण बजट अनुमान की तुलना में ज्यादा हो सकता है। अगर ऐसा होता है तो सवाल उठता है कि शेष 1.48 से 1.83 लाख करोड़ रुपये कहां से आएंगे? अगर यह राजस्व स्रोत से आता है तो राजकोषीय घाटे का लक्ष्य पूरा किया जा सकता है। अगर इन स्रोतों से नहीं आता है तो राजकोषीय घाटे का लक्ष्य हासिल करने में इतनी राशि कम रह जाएगी।

प्रो कबड्डी लीग ने पहली बार नए ऑनलाइन विज्ञापनदाता

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

दो साल के बाद प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) का जोरदार आगाज होने जा रहा है। पिछले साल नीलामी के बाद मीडिया अधिकार हासिल करने वाले डिज्नी स्टार नेटवर्क (स्टार स्पोर्ट्स और हॉटस्टार डिज्नी) ने नए प्रायोजक और विज्ञापनदाता जोड़े हैं। नए प्रायोजकों में शिक्षा तकनीक प्लेटफॉर्म बैजूज की ऑनलाइन डॉक्टर्स एवं प्रयोगशाला जांच प्लेटफॉर्म एमफाइन, ऑनलाइन रमी गेम प्लेटफॉर्म ए23, ऑनलाइन समाचार प्लेटफॉर्म पारीमैच न्यूज और ऑनलाइन स्वास्थ्य एवं वित्त पोर्टल धनी शामिल हैं। नए विज्ञापनदाताओं में सोशल गेमिंग प्लेटफॉर्म विंजो, फैंटसी स्पोर्ट्स ऐप माईफैब 11 के अलावा जीएसके और बैटरी एवं इलेक्ट्रिकल कंपनी ल्यूमिनस जैसी पुरानी विज्ञापनदाता भी शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक स्टार स्टार डिज्नी मैचों के लिए पहले ही 90 फीसदी विज्ञापन समय बेच चुकी है। पिछले टूर्नामेंट के मीडिया खरीदारों के मुताबिक पिछले सत्र में कुल विज्ञापन करीब 250 करोड़ रुपये के थे, जिसमें इस बार 50 फीसदी बढ़ोतरी के आसार हैं। स्टार स्पोर्ट्स के एक प्रवक्ता ने कहा, %हम दो साल के बाद प्रशंसकों के लिए वीवो प्रो कबड्डी लीग लाकर बहुत रोमांचित हैं। प्रशंसकों और विज्ञापनदाताओं का उत्साह अभूतपूर्व है।% विश्लेषकों का कहना है कि विज्ञापनदाताओं की सूची में स्वास्थ्य और गेमिंग क्षेत्र की बहुत सी ऑनलाइन कंपनियां शामिल हैं। वे साफ तौर पर उस बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंचना चाहती हैं, जिन्हें यह खेल आयोजन लुभाता है।

बार्क के आंकड़ों के मुताबिक 2014 में शुरू हुए पीकेएल के सातवें सत्र में दर्शक संख्या 9 फीसदी बढ़कर 1.2 अरब इम्प्रेशन रही थी। करीब 32.8 करोड़ दर्शकों ने पीकेएल का सातवां सत्र देखा और इसे देखने के कुल मिनट 71 अरब रहे। यह लीग 22 दिसंबर को शुरू होगी, लेकिन यह विवादों से अछूती नहीं रही है। एक फ्रैंचाइजी रोनी स्क्रूवाला ने कहा, %मेरे लिए कबड्डी मैच का आनंद लेने से ज्यादा कुछ नहीं है क्योंकि इस खेल में कोई मनोरंजन नहीं है। स्टार ने नीलामी के मजाक से पूरे खेल को अगवा कर लिया है।% पिछले साल स्क्रूवाला हितों के टकराव का मुद्दा उठाकर नीलामी कराने में सफल रहे थे क्योंकि स्टार इंडिया ने मशाल स्पोर्ट्स में 74 फीसदी हिस्सेदारी खरीद ली थी। मशाल स्पोर्ट्स ही आनंद महिंद्रा जैसे अन्य भागीदारों के साथ मिलकर इस लीग का आयोजन करती है। स्टार के पास मीडिया अधिकार भी हैं, इसलिए उन्होंने आरोप लगाया कि आईपीएल के बाद दूसरा सबसे ज्यादा लोकप्रिय खेल होने के बावजूद इन अधिकारों की %उचित कीमत% नहीं मिल पाई। इसके नतीजतन फ्रैंचाइजी को अपने राजस्व से समझौता करना पड़ रहा है। फ्रैंचाइजी के राजस्व का सबसे बड़ा स्रोत ये अधिकार ही हैं। इन अधिकारों से प्राप्त 80 फीसदी धनराशि को 12 टीमों में बराबर-बराबर बांटा जाता है। हालांकि मशाल ने इसे स्वीकार कर लिया और पिछले साल नीलामी की गई।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।